



दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik asliazadidainikofficial

असली आजादी

■ वर्ष: 22, अंक: 20 ■ दमण, गुरुवार 08, अक्टूबर, 2026 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 ₹ ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट



मैं एंबीशन नहीं, मिशन के लिए जीने वाला इंसान रहा हूं: पीएम मोदी



पीएम मोदी ने संबोधन में बार-बार कहा, "वी विल डू इट", यानी हम यह करके रहेंगे

नई दिल्ली, (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में सरकार के प्रमुख की जिम्मेदारी संभालते हुए 25 साल पूरे किए। इस अवसर पर दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में

उन्होंने अपनी राजनीतिक और सार्वजनिक जीवन की यात्रा के अनुभव साझा किए। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने कभी यह नहीं सोचा था कि जीवन में आगे चलकर क्या बनेंगे। उनका उद्देश्य किसी पद तक पहुंचना नहीं,

बल्कि एक मिशन के लिए काम करना रहा है। उन्होंने कहा कि जीवन की हर घटना ने उन्हें कुछ न कुछ सिखाया है। जिसने उन्हें गिराया, उसी ने खड़ा होना सिखाया और जिसने विरोध किया, उसने लोकतंत्र की शक्ति

समझाई। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब वह अपनी यात्रा को पीछे मुड़कर देखते हैं, तो उनके मन में कृतज्ञता का भाव आता है। हर घटना ने उन्हें विनम्र बनाया और हर संकट ने उनके धैर्य की परीक्षा ली। वहीं, हर सफलता ने बड़े

लक्ष्यों की ओर बढ़ने का सामर्थ्य दिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने ईश्वर से हमेशा यही प्रार्थना की कि उनके भीतर सीखने की ललक कभी कम न हो। पीएम मोदी ने कहा कि सरकार के प्रमुख के रूप में 25 साल का अनुभव और जनता का विश्वास उनकी बड़ी पूंजी है। हालांकि, यह पूंजी किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरे देश की है। उन्होंने कहा कि मां भारती की हर संतान इस पूंजी की अधिकारी है। अपने छात्र जीवन को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि जब वह वडनगर के स्कूल में पढ़ते थे, तब शिक्षकों के पढ़ाने के अलग-अलग तरीकों से सीखने का अवसर मिलता था। वह कक्षा में सबसे पहले पहुंचने वाले विद्यार्थियों में शामिल रहते थे। उन्होंने कहा कि सीखने की यही ललक उनके जीवन का हिस्सा बन गई और आज भी वह स्वयं को विद्यार्थी मानते हैं। (समाचार का शेष पेज 3 पर)

प्रशासक प्रफुल पटेल से संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी ने की शुभेच्छा मुलाकात



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल से आज भाजपा की नवनिर्वाचित प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी ने शुभेच्छा मुलाकात की। इस अवसर पर संघ प्रदेश श्रीडी की भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी ने प्रशासक प्रफुल पटेल से क्षेत्र के विकास, सुशासन एवं जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा की।

सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत दमण में मेगा बीच क्लीनअप ड्राइव का हुआ आयोजन

■ प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में नमो पथ पर आयोजित विराट सफाई अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, उद्योगजगत के प्रतिनिधियों, युवाओं, स्वयंसेवकों के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लेकर समुद्र तट को बनाया स्वच्छ ■ अलग-अलग 20 जोन में हुई सफाई: 5.1 टन कचरा किया गया एकत्र



असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत स्वच्छ, सुरक्षित एवं सतत तटीय पर्यावरण के निर्माण के उद्देश्य से आज नमो पथ नानी दमण में मेगा बीच क्लीनअप ड्राइव का आयोजन किया गया। नमो पथ पर आयोजित विराट सफाई अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों, उद्योगजगत के प्रतिनिधियों, युवाओं, स्वयंसेवकों के साथ बड़ी संख्या में नागरिकों ने हिस्सा लेकर समुद्र तट को स्वच्छ एवं साफ-सुथरा बनाने में योगदान दिया। अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने समुद्र तट एवं आसपास के क्षेत्रों से कचरा एकत्र कर स्वच्छता का संदेश दिया। इस अभियान में तहत 20 जोन में करीब 5.1 टन कचरा एकत्र किया गया। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ समुद्री पर्यावरण एवं तटीय पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। इस अवसर पर जनभागीदारी की



भावना को मजबूत करते हुए नागरिकों से अपने आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने, कचरे का उचित निपटान करने तथा समुद्र तटों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। मेगा बीच क्लीनअप ड्राइव ने स्वच्छ तट-हमारी जिम्मेदारी का संदेश देते हुए स्वच्छ एवं सतत दमण के प्रति सामूहिक संकल्प को और मजबूत किया।

नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्व होने पर

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा ने दमण-दीव और दानह में निकाली भव्य सेवा ज्योति यात्रा



■ संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी एवं संगठन महामंत्री रत्नाकर जी की उपस्थिति में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के नेतृत्व में हुआ कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक एवं राजनीतिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी, संगठन महामंत्री रत्नाकर जी के मार्गदर्शन में प्रदेश भाजपा द्वारा तीनों जिलों में विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया के नेतृत्व में प्रदेशभर में कार्यक्रम आयोजित किए गए। दमण में स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम और सिलवासा में एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम हॉल और दीव में मलाला ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी के संबोधन का जीवंत प्रसारण भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा सामूहिक रूप से देखा और सुना गया। इन कार्यक्रमों में भाजपा की प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी, प्रदेश संगठन महामंत्री रत्नाकर जी, प्रदेश भाजपा महामंत्री जिनेश पटेल एवं सुनील पाटिल, दादरा नगर हवेली की सांसद कलाबेन डेलकर, दादरा नगर हवेली जिला पंचायत अध्यक्ष निशा भावर,



सिलवासा नगरपालिका अध्यक्ष सोमनाथ पाटिल, दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, दमण नगरपालिका अध्यक्ष दीपिका टंडेल, उपाध्यक्ष मुकेश पटेल, सिलवासा शहर जिला भाजपा अध्यक्ष शांतु पुजारी, सिलवासा ग्रामीण जिला भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रधान, खानवेल जिला भाजपा अध्यक्ष सनी भीमरा, दीव जिला भाजपा अध्यक्ष मोहन लकमणे सहित प्रदेश के सभी जनप्रतिनिधिगण, प्रदेश एवं जिला के पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चा एवं प्रकोष्ठ के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। दमण स्थित स्वामी विवेकानंद ऑडिटोरियम में प्रदेश भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी ने सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित की। इसके पश्चात सरकारी कॉलेज नानी दमण से भाजपा प्रदेश कार्यालय तक भव्य सेवा ज्योति यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वहीं सिलवासा में एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में दादरा नगर हवेली की सांसद कलाबेन डेलकर और प्रदेश भाजपा महामंत्री सुनील पाटिल ने सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित कर सेवा ज्योति यात्रा को प्रस्थान कराया। दीव के मलाला ऑडिटोरियम में उपस्थित महानुभावों द्वारा सेवा ज्योति प्रज्ज्वलित की गई। जनसेवा से राष्ट्रसेवा और विकसित भारत की ओर सेवा ज्योति यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा, समर्पण, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम बनी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने इस अवसर पर सेवा, समर्पण और विकसित भारत-2047 के संकल्प को और मजबूत करने का प्रण लिया।

संवैधानिक पाप करने वालों को चुनाव चिन्ह क्यों : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना के चुनाव चिन्ह विवाद पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को गंभीर सवाल उठाए। अदालत ने पूछा कि दल-बदल को संविधान के तहत 'संवैधानिक पाप' माना जाता है, तो ऐसे मामलों में शामिल लोगों को चुनाव चिन्ह का लाभ क्यों दिया जाए? सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कहा कि मामला केवल धनुष-बाण चुनाव चिन्ह तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि चुनाव चिन्ह आवंटित करते समय विधायकों की संख्या को कितना महत्व दिया जाना चाहिए। खासकर तब, जब उन्हीं विधायकों की अयोग्यता से जुड़ी कार्रवाही लंबित हो। अदालत ने यह भी सवाल उठाया कि संसदनात्मक समर्थन को बहुमत का सुरक्षित आधार कैसे माना जा सकता है। मामला शिवसेना में विभाजन के बाद चुनाव चिन्ह आवंटन से जुड़ा है। सुनवाई बुधवार को भी जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के सवालों से संकेत मिलता है कि वह चुनाव चिन्ह आवंटन की प्रक्रिया और उसके संवैधानिक प्रभावों की गहराई से समीक्षा कर रहा है।

मुंबई पुलिस ने की 2.53 करोड़ की नाइट्राजेम और अल्ट्राजोलम टेबलेट जप्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वली युनिट ने नशीले पदार्थों की अवैध बिक्री से जुड़े मामलों में बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने 2.53 करोड़ रुपए की नाइट्राजेम और अल्ट्राजोलम टेबलेट जप्त की है। यह मामला 6 अक्टूबर की रात का है और उसी दिन मामला दर्ज किया गया। मुंबई में अवैध नशे की खपत, बिक्री और सप्लाई में शामिल लोगों की जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक शख्स गोवंडी, मुंबई इलाके में नशे वाली गोर्निया बेच रहा है। सूचना की पुष्टि करने के बाद पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। तलाशी में निटकोर-10 ब्रांड की 4,500 नाइट्राजेम गोर्निया बरामद की गई, जिसकी कीमत 1.98 करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसके साथ ही पुलिस ने प्रोक्लाम-1 ब्रांड की 5,300 अल्ट्राजोलम गोर्निया भी जब्त की, जिसका वजन करीब 689 ग्राम है और कीमत 55.92 लाख रुपए है। इस तरह कुल 9,800 नाइट्राजेम और अल्ट्राजोलम गोर्निया जप्त की गई, जिसकी कुल कीमत करीब 2.53 करोड़ रुपए है। यह ऑपरेशन मुंबई पुलिस कमिश्नर की देखरेख में पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पता लगा रही है कि ये दवाएं कहाँ से लाई गईं और इनका नेटवर्क कितना बड़ा है। बता दें नाइट्राजेम और अल्ट्राजोलम दोनों बेजोडायजेनोइड वर्ग की दवाएं हैं जो मस्तिष्क को शांत करने का काम करती हैं।

असम राइफल्स के जवान की गोली लगने से मौत, सीएम माझी ने जताया शोक

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के रायगड़ा जिले के रहने वाले असम राइफल्स के जवान वी तेजा की नगालैंड में गोली लगने से मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि जवान की मौत उनके 31वें जन्मदिन से महज दो दिन पहले हुई। उन्होंने बताया कि 15वीं असम राइफल्स के राइफलमैन तेजा को सोमवार को गोली लगने के बाद अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि तेजा की शादी 10 दिसंबर को होनी थी। ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी और विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने तेजा के निधन पर शोक जताया है। सीएम ने पोस्ट में कहा कि नगालैंड में इयुटी पर तैनात 15वीं असम राइफल्स के बहादुर सैनिक राइफलमैन वी. तेजा के असामयिक निधन की खबर से मुझे गहरा दुख हुआ है। मातृभूमि की सेवा में उनका सर्वोच्च बलिदान और समर्पण हमेशा हमारी स्मृतियों में अंकित रहेगा। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। नवी पटनायक ने एक्स पर कहा कि असम राइफल्स के उड़िया सैनिक वी तेजा ने जो बहादुरी दिखाई, वह अतुलनीय है। उन्होंने नगालैंड में देश की रक्षा के लिए चलाए जा रहे अभियानों के दौरान शहीद होकर अद्वितीय बलिदान दिया।

आपत्तिजनक टिप्पणी विवाद में हनी सिंह को साइबर पुलिस का समन, सिंगर ने मांगा और वक्त

मुंबई (एजेंसी)। रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह फिर विवादों में हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने उन्हें एक कार्यक्रम के दौरान की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पूछताछ के लिए बुलाया था। हालांकि, सोमवार को हनी सिंह जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने पूछताछ में शामिल होने के लिए पुलिस से कुछ और समय मांगा है। महाराष्ट्र साइबर पुलिस की ओर से हनी सिंह को समन भेजकर निर्धारित समय पर जांच अधिकारियों के सामने उपस्थित होने को कहा गया था। यह कार्रवाई एक शिकायत के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कार्यक्रम में सिंगर द्वारा कही गई कुछ बातें आपत्तिजनक थीं। शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू हुई और इसी मामले में हनी सिंह से पूछताछ होनी थी। मामले की गंभीरता को देखकर पुलिस जांच में जुटी है और अब सिंगर के पेश न होने के बाद आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर है। यह पहली बार नहीं है जब हनी सिंह विवादों में फिरे हैं। उनका विवादों से पुराना नाता रहा है, खासकर उनके गानों और लाइव परफॉर्मेंस को लेकर अवसर विवाद होता है। इसके पहले भी मई में दिल्ली हाईकोर्ट ने एक संगठन की याचिका पर उनसे हलफनामा दाखिल करने को कहा था।

‘जेन जी’ ‘जेन अल्फा’ के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे राहुल गांधी

–सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव ने विपक्ष की एकजुटता और लोकतंत्र के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को पूरी तरह मजबूत किया जा सकता है और राहुल गांधी देश को 'जेन जी' और 'जेन अल्फा' पीढ़ी के अधिकारों की रक्षा के लिए सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। पप्पू यादव ने कहा कि देश के सामाजिक संगठनों और सेवानिवृत्त आईएसएस अधिकारियों समेत विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए राहुल गांधी किसी तरह की राजनीति नहीं करेंगे। विपक्षी दलों का 'इंडिया' गठबंधन लोकतंत्र की रक्षा के साथ गरीब, कमजोर, मध्यम वर्ग, निम्न-मध्यम वर्ग और सामान्य वर्ग के मतदान अधिकारों के लिए मजबूती से लड़ रहा है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी पिछले तीन सालों से 'वोट चोरी' के



मुद्दे को लगातार उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह किसी एक दिन का मुद्दा नहीं है, बल्कि पिछले तीन-चार सालों से अलग-अलग मंचों पर इसे उठाना जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा सहित कई राज्यों में अलग-अलग तरीकों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित किया गया और लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के लिए लोकतंत्र

को नुकसान पहुंचाया। यादव ने कहा कि जब पूरा देश इस मुद्दे पर सड़कों पर उतरकर संघर्ष करने को तैयार है, तो सरकार सच्चाई सामने लाने से क्यों बच रही है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार सच बोलने की हिम्मत क्यों नहीं जुटा पा रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को गवाह बनकर यह बताना चाहिए कि उनके पीछे कौन-कौन लोग हैं। पप्पू यादव ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का हवाला देते हुए सवाल किया कि संबंधित लोगों को एक मिनट भी पद पर बने रहना चाहिए या नहीं। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या किसी जिम्मेदार व्यक्ति को यह कहकर जवाबदेही से बचने का अधिकार है कि उसे जानकारी नहीं थी या उसने ऐसा कोई आदेश उठे हैं और इन मामलों की पूरी सच्चाई सामने आनी चाहिए।

जंतर-मंतर पर सीजेपी के अगले प्रदर्शन पर सरपेंस: 10 अक्टूबर की अनुमति लंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। फर्रुख जन्ता पार्टी (सीजेपी) फिर दिल्ली में प्रदर्शन की तैयारी में है, इसका प्रस्तावित आयोजन 10 अक्टूबर को होना है। दिल्ली पुलिस को इसकी जानकारी दी गई है और उसका एक्नॉलेजमेंट भी मिला है, लेकिन अभी तक प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली है। सीजेपी के सीरव दास ने बताया कि यह सिर्फ सीजेपी का नहीं, बल्कि जेन-जेड का प्रदर्शन होगा, जिसका लक्ष्य मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को उनके पद से हटाना है। हालांकि, नई दिल्ली इलाके में फिलहाल भारतीय नगरिक सुरक्षा सहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू है, जो आगामी प्रदर्शन को लेकर पुलिस के फैसले पर अतिश्रुति बढ़ाती है। पिछली बार, 3 अक्टूबर को हुए सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान एक नया विवाद खड़ा हो गया था। तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर कथित यौन उत्पीड़न और बदसलूकी के गंभीर आरोप लगाए, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने शिकायतों को निष्पक्ष जांच के लिए फ़ाइल ब्रांच को भेज दिया। इसी मामले को लेकर पत्रकारों और प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्ग थाने के बाहर

एफआईआर दर्ज करने की मांग पर धरना देकर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया। इस दौरान एसीपी विवेक भगत का नाम भी विवादों में आया, जिन्होंने कथित शिकायतों की जांच पूरी होने तक एडिशनल डीसीपी का चार्ज न लेने की इच्छा जताई, जिसे दिल्ली सरकार ने स्वीकार कर लिया। सीजेपी का दिल्ली में प्रदर्शनों का रिकॉर्ड पहले भी हंगामेदार रहा है। जुलाई में संगठन के 'संसद चलो' मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखा टकराव हुआ था, जिसमें बैरिकेड तोड़ा गया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और लाठीचार्ज भी हुआ। इस दौरान कई पुलिसकर्मियों और प्रदर्शनकारी घायल हुए थे और दिल्ली पुलिस ने कई एफआईआर दर्ज की थीं। हालांकि, बाद में पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वे जुलाई के सीजेपी प्रदर्शनों से जुड़ी 13 एफआईआर पर आगे कार्रवाई नहीं करना चाहती। अब 10 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर फिर संगठन अपनी आवाज सड़क पर उठाने को तैयार है, लेकिन पिछली घटनाओं और लागू बीएनएसएस धारा 163 के कारण पुलिस के सामने एक बड़ी चुनौती है।

बिहार: बाढ़ पीड़ितों के खाते में सम्राट चौधरी भेजेंगे पैसा

12 को 7-7 हजार की अनुग्रहिक राहत राशि होगी वितरित

पटना, एजेंसी।

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने संबंधित विभागों को बाढ़ से हुई क्षति का आकलन कर उसके पुनर्स्थापन में होने वाले खर्च की प्रथम दृष्टया विस्तृत रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री का उद्देश्य है कि प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास तथा आवश्यक विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जा सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि द्वितीय चरण में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के बीच 12 अक्टूबर को सात-सात हजार रुपये की अनुग्रहिक राहत राशि वितरित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को लोक सेवक आवास में बाढ़ की स्थिति एवं इससे हुई क्षति को लेकर एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से जल निकासी के बाद संभावित परेशानियों को ध्यान में रखते हुए

आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

इस वर्ष गंगा, गंडक एवं सोन नदियों में पूर्व बाढ़ की तुलना में अधिक मात्रा में पानी आने के कारण बाढ़ को गंभीर स्थिति उत्पन्न हुई थी। नदियों में बाढ़ आने की एक प्रमुख वजह नदी तल में गाद (सिल्ट) का जमा होना भी है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि बिहार देश का पहला राज्य है जिसने गाद नीति बनाई है। उन्होंने नदियों की वर्तमान स्थिति एवं बाढ़ से हुई क्षति की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक के दौरान जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. चंद्रशेखर सिंह ने बिहार में दो चरणों में बाढ़ के कारणों और उत्पन्न स्थिति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में गंगा, सोन, घाघरा, कोसी एवं पुनपुन नदियों में उच्चतम जल स्तर दर्ज किया गया। वहीं,

दूसरे चरण में अधिक बारिश के कारण गंडक नदी में चार स्थलों पर उच्चतम जल स्तर दर्ज किया गया। पश्चिम चंपारण, गोपालगंज एवं सारण जिले में छह स्थलों पर तटबंध क्षतिग्रस्त हुए थे। आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने बाढ़ के दौरान किए गए राहत एवं बचाव कार्यों की भी जानकारी दी। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव, आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सदा, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने बताया कि राज्य में बाढ़ की स्थिति अब अंतिम चरण में पहुंच रही है और स्थिति सभी जगह नियंत्रण में है। हालांकि, सरकार अभी भी पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। उन्होंने मंगलवार को पार्टी



दफ्तर में जनसुनवाई कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए यह जानकारी दी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि इस बार गंडक और गंगा ने कई जगहों पर नया उच्चतम जलस्तर बनाया, जिसके कारण कई स्थानों पर तटबंधों पर भारी दबाव की स्थिति बनी।

पदभार संभालने से पहले राजनाथ से मिले एयर मार्शल आशुतोष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के अगले प्रमुख नियुक्त किए गए एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। केंद्र सरकार द्वारा उन्हें वायुसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद हुई इस मुलाकात में रक्षा मंत्री ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। एयर मार्शल दीक्षित वर्तमान में वायुसेना के उपप्रमुख हैं। वह 31 अक्टूबर को मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह के सेवानिवृत्त होने के बाद पदभार संभालेंगे। इसके साथ ही वह भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख होंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन मिला था। करीब चार दशक के सैन्य करियर में उन्होंने संचालन, प्रशिक्षण और उच्चस्तरीय सैन्य नेतृत्व से जुड़ी कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली हैं। वह एकीकृत रक्षा स्टाफ के प्रमुख और केन्द्रीय वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी रह चुके हैं।



सीएम सैनी के सिंगापुर दौरे के बाद 5,500 करोड़ के निवेश की बढ़ी संभावना

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नयब सिंह सैनी अपना तीन दिवसीय सिंगापुर दौरा पूरा कर भारत लौट आए हैं। इस दौरे के दौरान विभिन्न कंपनियों और संस्थानों ने हरियाणा में करीब 5,500 करोड़ रुपये के निवेश के लिए समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर सहमति जताई है। इन निवेश प्रस्तावों से प्रदेश में औद्योगिक विकास के साथ-साथ आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं, जल प्रबंधन, शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के नए अवसरों को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उनका सिंगापुर दौरा 'विकसित हरियाणा-विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करने वाला साबित होगा। उन्होंने जोर दिया कि हरियाणा के प्रति वैश्विक निवेशकों की बढ़ती रुचि यह दर्शाती है कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के लिए एक भरोसेमंद एवं आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों को पारदर्शी प्रशासन, बेहतर कर्नेक्टिविटी, मजबूत आधारभूत ढांचा, कुशल मानव संसाधन



और अनुकूल कारोबारी माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का लक्ष्य केवल निवेश आकर्षित करना नहीं, बल्कि इन निवेश प्रस्तावों को समयबद्ध तरीके से श्रृंखला पर उतारना और प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना है। सिंगापुर दौरे के दौरान सबसे अधिक, करीब 3,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव हेतु एव वेलनेस क्षेत्र में मिले। इनसे हरियाणा में अत्याधुनिक अस्पतालों, स्वास्थ्य सेवा केंद्रों और वेलनेस सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ चिकित्सा अनुसंधान और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल को बढ़ावा

मिलने की संभावना है। सिंगापुर की उन्नत जल प्रबंधन तकनीकों से प्रेरित होकर, जल उपचार एवं प्रबंधन क्षेत्र में भी निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई, जिसके तहत करीब 1,500 करोड़ रुपये के निवेश पर सहमति बनी है। इन निवेशों से आधुनिक जल उपचार संयंत्रों, सीवेज ट्रीटमेंट, औद्योगिक जल प्रबंधन, जल के पुनः उपयोग और स्मार्ट जल प्रबंधन प्रणालियों के विकास को प्रोत्साहन मिलेगा। इससे शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

‘आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे’ जनता पूरे घटनाक्रम को देख रही है : सुक्खू

–राहुल गांधी की हिरासत के विरोध में हिमाचल में जोरदार प्रदर्शन, धरने पर बैठे नेता

शिमला, एजेंसी।

दिल्ली में राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए कि गुरुवार को हिमाचल प्रदेश के सभी हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। 'आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे' उन्होंने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य सांसदों की हिरासत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के खिलाफ है। सीएम के मुताबिक, जनता की आवाज उठाने वाले नेताओं को हिरासत में लिया जा रहा है, जबकि आधुनिक निवेशकों को हिरासत में नहीं लिया गया।

सड़क पर उतरकर आवाज उठानी पड़ रही है। सीएम ने यह भी घोषणा की कि गुरुवार को हिमाचल प्रदेश के सभी हिस्सों में कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। 'आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे' उन्होंने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अन्य सांसदों की हिरासत को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों को हिरासत में लेना लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान के खिलाफ है।

उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी की आवाज दबाने से सवाल खत्म नहीं होंगे और जनता पूरे घटनाक्रम को देख रही है।



सीएम सुक्खू ने आरोप लगाया कि सरकार ने नैतिक रूप से सत्ता में बने रहने का अधिकार खो दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में असहमति की आवाज को दबाने के बजाय उसका जवाब दिया जाना चाहिए। विपक्षी दल एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए इसे रोकने की मांग कर रहे हैं। साथ ही विपक्ष की ओर से मुख्य निर्वाचन अधिकारियों में असहमति के मांग भी की जा रही है।



अन्य नेताओं को हिरासत में लिया गया। बाद में सभी को रिहा कर दिया गया।

भारत में ब्याज दरों में बढ़ौतरी का चक्र प्रारम्भ



प्रहलाद सबनानी

अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भी भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 7 अक्टोबर 2026 को घोषित अपनी मौद्रिक नीति (मोनेटरी पॉलिसी) के माध्यम से रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि करते हुए इसे 5.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत कर दिया है। भारत में, फरवरी 2023 के पश्चात, प्रथम बार रेपो दर में वृद्धि की घोषणा की गई है। अब संभवतः समस्त बैंक अपने ऋणों पर ब्याज दरों में बढ़ौतरी की घोषणा करेंगे। दरअसल, भारत ही नहीं बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी मुद्रा स्फीति की दर में वृद्धि देखी जा रही है और मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से जापान, अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा आदि देश पहले से ही ब्याज दरों में वृद्धि की घोषणा कर चुके हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से रेपो दर में वृद्धि करने के अतिरिक्त और कोई उपाय था भी नहीं। रेपो दर में वृद्धि वित्तीय बाजार में लगाए जा रहे अनुमान के आधार पर ही रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह भी स्पष्ट किया है कि निकट भविष्य में रेपो दर में कमी की सम्भावना अब कम ही है बल्कि वित्तीय बाजार का अनुमान है कि दिसम्बर माह में होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति कमेटी की बैठक में भी सम्भवतः रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की पुनः वृद्धि की घोषणा की जाएगी।

दरअसल वैश्विक स्तर पर वित्तीय बाजार में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराईल-हम्यास युद्ध, ईरान-अमेरिका युद्ध तो लम्बे समय से चल ही रहा था अब सऊदी अरब-हूथी युद्ध भी छिड़ गया है एवं इसमें पाकिस्तान एवं टर्की भी शामिल हो गए हैं। इस सबका विपरीत प्रभाव वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की आपूर्ति पर पड़ा है एवं कच्चे तेल की कीमतें आसमान छूने लगी हैं जिससे विश्व के कई देशों में मुद्रा स्फीति की स्थिति लगातार गम्भीर होती जा रही है। भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के अनुमान को बढ़ाया है। पूर्व में, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए भारत में मुद्रा स्फीति के 5 प्रतिशत तक रहने का अनुमान लगाया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 5.2 प्रतिशत कर दिया गया है। मुद्रा स्फीति, एक गम्भीर समस्या के रूप में उभर कर सामने आ रही है, इसे नियंत्रित करना अति आवश्यक है क्योंकि इसका सबसे अधिक विपरीत प्रभाव गरीब नागरिकों पर अति गम्भीर रूप से पड़ता है। मुद्रा



स्फीति के लगातार बढ़ने से नागरिकों की क्रय शक्ति कमजोर हो जाती है। पूरे विश्व में लगभग समस्त देशों द्वारा मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में वृद्धि की जाती है ताकि नागरिक अपने खर्चों को बढ़ाने के लिए निरुत्साहित हों एवं इस धनराशि को वे बैंकों में जमा करें एवं साथ ही नागरिक बैंकों से ऋणराशि लेने हेतु भी निरुत्साहित हों क्योंकि ब्याज दर के बढ़ाने से ऋणराशि पर अब अधिक ब्याज देना होगा। इससे बाजार में उत्पादों की मांग में कमी आती है एवं उत्पादों की कीमतों कम होने लगती हैं और अंततः मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण स्थापित होने लगता है। परंतु, ब्याज दरों में एक सीमा से अधिक वृद्धि करने से आर्थिक विकास दर विपरीत रूप से प्रभावित होने लगती है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में तो मुद्रा स्फीति का उल्लेख ही नहीं मिलता है क्योंकि उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति बाजार में बनाए रखी जाती थी, बल्कि शास्त्रों में उत्पादों के दाम कम होते जाने का उल्लेख जरूर मिलता है। वर्तमान स्थिति बिलकुल भिन्न है, बाजार में उत्पादों की मांग बढ़ जाती है परंतु आपूर्ति सुनिश्चित नहीं हो पाती है, इससे इन उत्पादों की कीमतों में वृद्धि दृष्टिगोचर होने लगती है।

प्राचीन भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार, मूल्य वृद्धि को बाजार में वस्तुओं/उत्पादों की आपूर्ति को बढ़ाकर नियंत्रित

किया जाना चाहिए न कि इन उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास कर इन वस्तुओं/उत्पादों की कीमतों पर नियंत्रण स्थापित किया जाय। पूँजीवादी व्यवस्था के अंतर्गत ब्याज दर में की गई वृद्धि के कारण बाजार पर होने वाले नकारात्मक प्रभाव को आंकने का प्रयास ही नहीं किया जाता हैं। यदि उत्पादों की मांग में कमी करने के प्रयास किए जाएँ तो इन उत्पादों का निर्माण कम होगा, इससे विनिर्माण इकाईयाँ एवं इन इकाईयाँ में कार्यरत श्रमिकों पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन कम होने के चलते विनिर्माण इकाईयाँ द्वारा बहुत सम्भव है कि श्रमिकों की छटनी की जाने लगे। इससे देश में बेरोजगारी फैल सकती है। परंतु, भारत में इस तरह की समस्या वर्तमान परिस्थितियों में बीच दिखाई नहीं देती है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भी यह सम्भावना व्यक्त की गई है कि रेपो दर में की गई वृद्धि का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना लगभग शून्य है, क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि दर को संशोधित कर इसे पूर्व के अनुमान 6.7 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। अन्यथा, सामान्यतः ब्याज दरों में वृद्धि का आर्थिक विकास दर पर विपरीत प्रभाव दिखाई देता है। भारत में आर्थिक विकास दर मजबूत बनी हुई है। हाल ही के समय में विशेष रूप से

विनिर्माण के क्षेत्र एवं सेवा के क्षेत्र में आकर्षक वृद्धि दर दर्ज हुई है। विभिन्न उत्पादों के निर्यात भी तेज गति से बढ़ रहे हैं। निजी क्षेत्र में निवेश भी अब बढ़ने लगा है जबकि सरकारी क्षेत्र में निवेश तो पहिले से ही मजबूत बना हुआ है। बैंकों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऋणराशि में अतुलनीय वृद्धि दिखाई दे रही है एवं वस्तु एवं सेवा कर तथा आय कर एवं कारपोरेट कर के संग्रहण में मजबूत वृद्धि दिखाई दे रही है। भारत उपभोग आधारित अर्थव्यवस्था है अतः स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों का बाजार भारत में ही उपलब्ध रहता है, केंद्र सरकार की नीतियों के चलते इन उत्पादों के अन्य देशों से आयात को निरुत्साहित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं, अन्यथा यदि इन उत्पादों का आयात आसानी होने दिया जाय तो सम्भव है कि इन उत्पादों के साथ मुद्रा स्फीति भी आयातित होने लगे, जैसा महंगे कच्चे तेल के आयात से हो रहा है। भारत में बढ़ रही मुद्रा स्फीति के लिए कुछ हद तक अन्य देशों से आयातित उत्पादों (स्वर्ण, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, कच्चा तेल आदि) की बढ़ी हुई कीमतें भी जिम्मेदार हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की वृद्धि के निर्णय के पीछे एक और महत्वपूर्ण कारण जिम्मेदार है। दरअसल, अमेरिका की केंद्रीय बैंक यूएस फेड रिजर्व ने यू एस फेड दर में वृद्धि की घोषणा की है। इससे, अमेरिका में बांड यील्ड में अतुलनीय वृद्धि ध्यान में आई है। 30 वर्षीय बांड यील्ड बढ़कर 5.60 प्रतिशत के स्तर की पार कर गई है, जो वर्ष 2002 के बाद से सबसे अधिक है। इससे विदेशी संस्थागत निवेशक, तेजी से विकास कर रही अर्थव्यवस्थाओं में से अपने निवेश को निकालकर अमेरिका बांड में अपना निवेश बढ़ा रहे हैं। इसके चलते भारत सहित कई देशों की मुद्राओं की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेजी से गिर रही है। अतः अपने देश की मुद्रा को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से भी कई देशों द्वारा ब्याज दरों में वृद्धि की जा रही है ताकि विदेशी निवेश को अपने देश में आकर्षित किया जा सके। भारत में रेपो दर में वृद्धि से भारत के बांड बाजार में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड पर यील्ड में सुधार होगा जिससे विदेशी निवेशक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले बांड में अपना निवेश बढ़ा सकते हैं। (प्रहलाद सबनानी- सेवानिवृत्त उपमहाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

संपादकीय

बड़ी दिमागी खोज

मानवता के कल्याण के प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए, जिस प्रतिष्ठित नोबेल पुरस्कार की स्थापना की गई थी, इस बार चिकित्सा विज्ञान में खोज के लिये दिया जा रहा पुरस्कार उस कसौटी पर खरा उतरता है। मेडिसिन के लिये वर्ष 2026 का नोबेल पुरस्कार अमेरिका और जर्मनी के तीन वैज्ञानिकों को देने की घोषणा की गई है। कार्ल डेसराय, पीटर हेगमान और जॉर्ज नेगल को यह सम्मान दिमाग की कोशिकाओं को रोगानी से नियंत्रित करने वाली खोज के लिये मिला है। इस खोज ने दिमाग के अध्ययन करने का एक नया तरीका वैज्ञानिकों को उपलब्ध कराया है। उनकी खोज व अनुसंधान से ह्यऑप्टोजेनेटिक्स तकनीक विकसित करने में मदद मिली है, जो मनुष्य की तंत्रिका कोशिकाओं को नियंत्रित करने के लिये रोगानी का प्रयोग करती है। दरअसल, इस तकनीक का विचार इसके जटिल नाम से ज्यादा आसान है। उल्लेखनीय है कि मनुष्य के मस्तिष्क में अरबों नर्व सेल्स यानी न्यूरॉन्स होते हैं, जो इलेक्ट्रिकल और केमिकल सिग्नल्स के जरिये आपस में संवाद स्थापित करते हैं। विज्ञानी लगातार खोज करते रहे हैं कि मस्तिष्क की सक्रियता, याददाश्त, भावनाओं और व्यवहार को नियंत्रित करने में न्यूरॉन्स समूहों की कैसी भूमिका होती है। निस्संदेह, यह वैज्ञानिकों के लिये एक बड़ी चुनौती थी क्योंकि आधुनिक तकनीकों से दिमाग की गतिविधि पर तो नजर रखी जा सकती थी, लेकिन विभिन्न कोशिकाओं को ठीक से नियंत्रित करना कठिन था। इस खोज की शुरूआत पीटर हेगमान द्वारा हरे शैवाल के रोगानी की ओर तैरने के रहस्य को सुलझाने से हुई। हेगमान और नेगल ने एक ऐसा प्रोटीन खोजा जो नीली रोगानी पड़ने पर आयन चैनल खोलकर इलेक्ट्रिकल हलचल पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने इस बात का अध्ययन किया किया कि वह प्रोटीन रोगानी पर कैसी प्रतिक्रिया करता है। अंततः इस खोज का प्रयोग न्यूरॉन्स को रोगानी के प्रति संवेदनशील बनाने के लिये किया गया। इसके बाद ही शोधकर्ता चुनिंदा तंत्रिका कोशिकाओं को सक्रिय या निष्क्रिय करके देख सके कि इसका कैसा प्रभाव होता है। माना जा रहा है कि दिमाग की कोशिकाओं के नियमन करने वाले स्विच बटन की खोज चिकित्सा विज्ञान में बड़े बदलाव का वाहक बन सकती है। अब तक वैज्ञानिकों को ज्ञात था कि किसी क्रिया या भावना की अभिव्यक्ति में दिमाग का कौन-सा हिस्सा सक्रिय था।

चिंतन-मनन

तथा है जीवन का सार

दुख एक मानसिक कल्पना है। कोई पदार्थ, व्यक्ति या क्रिया दुख नहीं है। संसार के सब नाम-रूप गधा-हाथी, स्त्री-पुरुष, पशु-पक्षी, वृक्ष-लता आदि फिलौतै हैं। हम अपने को फिलौता मानेंगे तो गधा या हाथी होने का सुख-दुख होगा, अपने को स्वर्ण, मूल्यधातु देखेंगे तो यह मनुष्य देह नहीं रहेंगे। हम विराट् हैं, साक्षात् ब्रह्म हैं। जो मनुष्य इस जगत प्रपंच को सत्य देखता है, उसे माया ने उगल लिया है। जो पहले भी नहीं थे, आगे भी नहीं रहेंगे, बीच में थोड़ी देर को दिखाई दे रहे हैं, उन्हीं को सब कुछ समझ कर माया मोहित मनुष्य व्यवहार कर रहा है। तत्वज्ञान शिक्षा देता है कि जो कुछ दिखाई दे, उसे दिखाई देने दो, जो बदलता है, उसे बदलने दो, जो आता-जाता है, उसे आने जाने दो। यह सब जादू का खेल है। ये हि संस्पर्शजा भोगा दुःखयोनय एव ते। आद्यतन्वन्तः कौन्तेय न तेषु रमते बुधः। पुराणों में एक कथा आती है- महाराज जनक के जीवन में कोई भूल हो गई थी। मरने पर उन्हें यमलोक जाना पड़ा। वहां उससे कहा गया- नरक चलो। महाराज जनक तो ब्रह्मज्ञानी थे। उन्हें क्या स्वर्ग, क्या नरक। वे प्रसन्नतापूर्वक चले गए। नरक में पहुंचे तो चारों ओर से पुकार आने लगी- महाराज जनक जी! तनिक यहीं ठहर जाइए। महाराज जनक ने पूछा- यह कैसा शब्द है? यमदूतों ने कहा-नरक के प्राणी चिल्ला रहे हैं। जनक ने पूछा-क्या कह रहे हैं ये? यमदूत बाले-ये आपको रोकना चाहते हैं। जनक ने आश्चर्य से पूछा-ये मुझे यहां क्यों रोकना चाहते हैं? यमदूत बोले- ये पापी प्राणी अपने-अपने पापों के अनुसार यहां दारुण यातना भोग रहे हैं। इन्हें बहुत पीड़ा थी। अब आपके शरीर को स्वर्ण करके पुण्य वायु इन तक पहुंची तो इनकी पीड़ा दूर हो गई। इन्हें इससे बड़ी शांति मिली। जनक जी बोले-हमारे यहां रहने से इन सबको शांति मिलती है, इनका कष्ट घटता है तो हम यहीं रहेंगे। तात्पर्य यह है कि भला मनुष्य नरक में पहुंचेगा तो नरक भी स्वर्ग हो जाएगा और बुरा मनुष्य स्वर्ग में पहुंच जाए तो स्वर्ग को भी नरक बना डालेगा। अतः देखना चाहिए कि हम अपने चित्त में नरक भरकर चलते हैं या स्वर्ग लेकर। जब हमें लगता है कि समस्त विश्व मेरी आत्मा में है, तब रोग-द्वेष, संघर्ष-हिंसा के लिए स्थान कहां रह जाता है?



दिलीप कुमार पाठक

मान लीजिए, एक सात-आठ साल का बच्चा अपनी कॉपी लेकर बैठा है। आप उसे बी लिखने को कहते हैं, वह डी लिख देता है। आप उसे छह लिखने को बोलते हैं, वह नौ बना देता है। आप दो बार डांटते हैं, तीसरी बार हाथ उठा देते हैं। आपको लगता है कि वह जानबूझकर कर रहा है, उसका मन सिर्फ फोन चलाने या खेलने में है। लेकिन हो सकता है उस बच्चे को अपनी बात समझ ही न आ रही हो? उसे कॉपी के पन्ने पर लिखे शब्द सीधे दिखने के बजाय तेरते हुए या उल्टे दिखाते दे रहे हों? वस इसी उलझन का नाम डिस्लेक्सिया है।



योगेश कुमार गोयल

आसमान में गुंजता भारत का पराक्रम... भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 94वां स्थापना दिवस मना रही है। यह केवल शक्ति और तकनीक का प्रदर्शन नहीं बल्कि भारत के आकाश में स्वतंत्रता, सुरक्षा और गौरव की प्रतीक गथा का उत्सव भी है। इस अवसर पर होने वाले भव्य एयर शो भारतीय वायुवीरों के साहस, कौशल और समर्पण का प्रत्यक्ष परिचय कराते हैं। आसमान में राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29 और तेजस जैसे अत्याधुनिक फाइटर जेट्स की गड़गड़ाहट और उनकी अद्भुत युद्धाभ्यास कला न केवल दर्शकों की रोमांचित करती है बल्कि यह संदेश भी देती है कि भारत का आकाश किसी भी आक्रामक इरादे के लिए अपेक्ष है। सारांग टीम के हेलीकॉप्टरों की सटीक फॉर्मेशन उड़ान, ध्रुव और प्रचंड जैसे एडवांस्ड हेलीकॉप्टर्स की क्षमता तथा सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिंस जैसे विशालकाय ट्रांसपोर्ट विमानों की ताकत भारतीय वायुसेना की बहुआयामी क्षमता का परिचायक है।

वर्ष 1932 में ब्रिटिश शासनकाल में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' के नाम से शुरू हुई यह यात्रा आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी वायुसेना के रूप में खड़ी है। आरंभ में मात्र चार एयरक्राफ्ट और छह अधिकारियों के साथ शुरू हुई वायुसेना का यह सफर आज डेढ़ लाख से भी अधिक जवानों, हजारों अत्याधुनिक विमानों, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों और वैश्विक स्तर पर सम्मानित तकनीकी क्षमताओं तक पहुंच चुका है। भारतीय वायुसेना ने अपनी स्थापना के साथ ही केवल सैन्य दृष्टिकोण से ही नहीं बल्कि एक रणनीतिक शक्ति के रूप में भी अपना महत्व साबित किया है। भारतीय वायुसेना ने अपने इतिहास में चीन और पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में असाधारण पात्रकम दिखाया है। 1947, 1965, 1971 और 1999 के कारगिल युद्ध में वायुसेना

इसे समझने के लिए कोई डॉक्टर बनने की जरूरत नहीं है। सीधे शब्दों में कहें तो हमारा और आपका दिमाग अक्षरों को देखकर तुरंत पहचान लेता है। लेकिन कुछ बच्चों का दिमाग इन अक्षरों को थोड़ा अलग तरीके से देखता है। यह कोई बीमारी नहीं है कि डॉक्टर के पास गए, सिर्फ पिलाया और बच्चा ठीक हो गया। यह दिमाग की अपनी एक बनावट है जो जन्म से ही ऐसी होती है। बच्चा न तो पागल है, न मंदबुद्धि है और न ही कामचोर। उसका दिमाग बस एक अलग सॉफ्टवेयर पर चल रहा है, जिसे हम जबरदस्ती अपने पुराने ढर्रे पर चलाने की कोशिश कर रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं कि यह समस्या हमारे अनुमान से कहीं ज्यादा बड़ी है। द डिस्लेक्सिया एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मुताबिक, भारत में करीब 10 से 15 फीसदी बच्चे डिस्लेक्सिया से प्रभावित हैं। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि हर स्कूल की क्लास में औसतन दो से तीन बच्चे इस उलझन से जूझ रहे हैं, लेकिन सही जानकारी न होने के कारण उन्हें सिर्फ कमजोर छात्र मान लिया जाता है। अगर आप माता-पिता या शिक्षक हैं, तो इसके लक्षणों को पहचानना बहुत जरूरी है। इसके मुख्य लक्षण कुछ इस तरह दिखते हैं। पहला यह कि बच्चा लिखते समय बी और डी या पी और कुु में हमेशा कन्फ्यूज रहता

भारतीय वायुसेना के 94 वर्ष : आकाश में भारत का अभिमान



की भूमिका निर्णायक रही। चीन के साथ 1962 के युद्ध के दौरान वायुसेना की भूमिका सीमित रही किंतु उसके बाद के दशकों में वायुसेना ने अपनी रणनीति और तकनीक को इतना मजबूत किया कि आज चीन की संख्यात्मक बढ़त भी उसके सामने टिक नहीं पाती। 1971 के युद्ध में पाकिस्तान के दो हिस्से हो गए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ, उसमें भारतीय वायुसेना के हमलों ने पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी थी। कारगिल युद्ध में वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सारंग' ने उंचाई पर बैठे दुश्मन के ठिकानों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई। रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत के संसाधनों का सटीक उपयोग, युद्धाभ्यास की गुणवत्ता और वायुवीरों की अदम्य जिजीविषा चीन और पाकिस्तान जैसे देशों पर भारी पड़ती है। आज वायुसेना के पास राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000, मिग-29, तेजस, जगुआर जैसे घातक फाइटर जेट्स हैं। सुखोई-30 एमकेआई जैसे विमान तीन हजार किलोमीटर तक मार करने में सक्षम हैं और पौने चार घंटे तक हवा में रह सकते हैं। राफेल की सटीक मारक क्षमता और आधुनिक रडार सिस्टम ने भारत की वायु सुरक्षा को और मजबूत बनाया है। तेजस, जो स्वदेशी तकनीक से निर्मित है, भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। इसके अलावा चिनुक और अपाचे जैसे हेलीकॉप्टर, जो अमेरिकी तकनीक से जुड़े हैं, युद्ध के मैदान में तेजी से सैनिकों और भारी हथियारों को तैनात करने की क्षमता रखते हैं। सी-17 ग्लोबमास्टर और सी-130जे सुपर हरक्यूलिंस जैसे ट्रांसपोर्ट विमान न केवल युद्धकालीन जरूरतों बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और राहत कार्यों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय वायुसेना का दायरा केवल सीमा रक्षा तक

सीमित नहीं है। जब भी देश में प्राकृतिक आपदाएं आईं, चाहे वह भूकंप हो, बाढ़ हो या चक्रवात, वायुसेना ने राहत और बचाव कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाई। नेपाल भूकंप, उत्तराखंड की केदारनाथ त्रासदी और विभिन्न बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का कार्य भारतीय वायुसेना ने साहस और समर्पण के साथ किया। यही कारण है कि वायुसेना को केवल युद्ध शक्ति के रूप में नहीं, मानवीय आपदा प्रबंधन के लिए भी देश के रूप में भी देखा जाता है। आज भारतीय वायुसेना की ताकत का सबसे बड़ा कारण उसके तकनीकी श्रेष्ठता और निरंतर आधुनिकीकरण है। मिसाइल प्रणालियों में ब्रह्मोस जैसी सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल है, जिसकी गति 952 मीटर प्रति सैकेंड तक है, जिसे दुश्मन के रडार पकड़ नहीं सकते। यही कारण है कि पड़ोसी देशों के हॉसले भारतीय वायुसेना के सामने परत हो जाते हैं। ड्रोन तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियार प्रणाली भी वायुसेना में धीरे-धीरे शामिल की जा रही हैं, जिससे उसकी मारक क्षमता और निगरानी क्षमताएं और अधिक प्रभावी हो रही हैं। हालांकि चुनौतियां भी कम नहीं हैं। चीन के पास लड़ाकू विमानों और रॉकेट प्रोजेक्ट्रों की संख्या भारत से कहीं अधिक है। लेकिन संख्यात्मक ताकत हमेशा निर्णायक नहीं होती। भारत ने तकनीकी सटीकता, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से यह साबित किया है कि गुणवत्ता संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान के साथ हुए युद्धों में यह सिद्ध हो चुका है कि केवल संख्या नहीं बल्कि रणनीति और मनोबल ही विजय सुनिश्चित करते हैं। इतिहास की बात करें तो भारतीय वायुसेना की नींव ब्रिटिश शासनकाल में रखी गई थी। 8 अक्तूबर 1932

पढ़ने-लिखने में भारी दिक्कत आती थी। लेकिन जब इन्हें सही समय पर समझा गया, तो इन्होंने वो कर दिखाया जो आम लोग सोच भी नहीं सकते। इनका दिमाग आउट ऑफ द बॉक्स सोचता है क्योंकि ये शब्दों में नहीं, बल्कि तस्वीरों में सोचते हैं। दिक्कत बच्चे में नहीं, हमारे रवैये में है। हम चाहते हैं कि हर बच्चा पहली क्लास से ही टॉपर बन जाए। अगर कोई बच्चा वॉर्-वॉर् में कन्फ्यूज हो रहा है, जूते के फीते नहीं बांध पा रहा, या शब्दों को उल्टा लिख रहा है, तो उस पर चिल्लाने के बजाय उसके साथ बैठिए। उसे थोड़ा ज्यादा वक्त दीजिए। अक्षरों को रेत पर उंगली से बनाकर लिखाइए। उसे डांट से ज्यादा इस बात के भरोसे की जरूरत है कि कोई बात नहीं, तू अपनी रफ्तार से सीख। हर बच्चा रस का घोड़ा नहीं होता कि चाबुक मारा और वह दौड़ पड़ा। कुछ बच्चे ऐसे भी होते हैं जिन्हें दौड़ने से ज्यादा उड़ना पसंद होता है। उन्हें बस अपनी उड़ान भरने के लिए थोड़ा सा खुला आसमान और अपनी का साथ चाहिए होता है। (लेखक संतषकार हैं) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

को 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना हुई थी। द्वितीय विश्वयुद्ध में इसकी भूमिका अहम रही। उस समय यह सेना ब्रिटिश आर्मी के अधीन थी। स्वतंत्रता के बाद 1950 में इसे 'इंडियन एयरफोर्स' नाम मिला और इसकी पहचान स्वतंत्र सैन्य शाखा के रूप में बनी। सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट पहले चीफ ऑफ एयर स्टाफ बने और बाद में एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी पहले भारतीय प्रमुख बने। उस दौर में मात्र कुछ विमान और सीमित संसाधन थे लेकिन आज वायुसेना के पास आधुनिकतम हथियार, विमानों का विशाल बेड़ा और मजबूत संरचना है। यह परिवर्तन केवल संख्या का नहीं बल्कि दृष्टिकोण का है। भारतीय वायुसेना का एक बड़ा उद्देश्य युवा पीढ़ी को प्रेरित करना भी है। एयर शो और शक्ति प्रदर्शन केवल दुश्मनों के लिए संदेश नहीं होते बल्कि युवाओं को इस गौरवशाली सेवा में शामिल होने का उत्साह भी देते हैं। वायुसेना का जीवन अनुशासन, साहस और देशभक्ति का संगम है और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है कि वे केवल कैरियर के लिए नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा के लिए भी इस क्षेत्र में कदम बढ़ाएं। आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की राह पर है, तब उसकी सुरक्षा संरचना का मजबूत होना अनिवार्य है। भूमि, जल और आकाश तीनों पर समान अधिकार के लिए वायुसेना की भूमिका सबसे अधिक संवेदनशील और निर्णायक है क्योंकि युद्ध अब केवल धरती पर नहीं बल्कि आकाश में जीते जाते हैं। आधुनिक युग में युद्ध का स्वरूप बदल चुका है। ड्रोन युद्ध, साइबर हमले और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हथियारों का महत्व बढ़ गया है। भारतीय वायुसेना इन नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही है।

भारत की वायु शक्ति केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। यह दक्षिण एशिया और हिंद-प्राशांत क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को भी मजबूत करती है। विश्व राजनीति में आज जो नए समीकरण बन रहे हैं, उनमें भारत की वायुसेना की शक्ति मित्र देशों के लिए भारोसे का प्रतीक और विरोधियों के लिए भय का कारण है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। भारतीय वायुसेना दिवस हमें केवल गौरव की याद नहीं दिलाता बल्कि भविष्य की जिम्मेदारियों की ओर भी संकेत करता है। वायुसेना को लगातार अपने बेड़े को आधुनिक करना होगा, अधिक स्वदेशी तकनीक अपनानी होगी और अंतरिक्ष आधारित क्षमताओं को मजबूत करना होगा। यही आने वाले दशकों में हमारी सुरक्षा और रणनीतिक श्रेष्ठता की गारंटी होगी।

संक्षिप्तसमाचार

स्पेन में क्यों सड़क पर उतरे हजारों लोग, आशियाने के बढ़ते संकट के पीछे क्या है वजह?

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन में बढ़ते आवासीय संकट के खिलाफ लोगों का गुस्सा अब सड़क पर दिखाई दे रहा है। किराए के बढ़ते बोझ और घरों की कमी से परेशान हजारों लोग देश के अलग-अलग शहरों में प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिर स्पेन में आवास का संकट इतना गहरा क्यों हो गया? लोगों की नाराजगी की वजह क्या है? सरकार का इस पर क्या रुख है स्पेन में आवास का संकट कई वर्षों से बढ़ रहा है। देश में किराए पर रहने वाले लोगों के लिए घर का खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। रियल एस्टेट वेबसाइट आईडिलिस्टा के मुताबिक, 2016 में स्पेन में औसत किराया 8.20 यूरो प्रति वर्ग मीटर था, जो इस साल बढ़कर 15.10 यूरो प्रति वर्ग मीटर हो गया। यानी करीब 10 साल में औसत किराया लगभग दोगुना हो गया है।

सऊदी अरब में पाकिस्तान-तुर्किये की सेना होगी तैनात: हूती विद्रोहियों से तनाव के बीच बढ़ा फैसला; क्या है योजना?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने सऊदी अरब में सैन्य बलों की तेजी से तैनाती के लिए जरूरी कदम उठाने पर सहमति जताई है। यह फैसला सऊदी अरब और यमन के हूती विद्रोहियों के बीच बढ़ते तनाव के बीच लिया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने बताया कि तीन देशों के मक्का रक्षा गठबंधन की रणनीतिक, राजनीतिक और रक्षा समिति की सोमवार को रियाद में आपात बैठक हुई। बैठक में सऊदी अरब के सामने मौजूद सुरक्षा से जुड़े हालात और खतरो पर चर्चा की गई। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने अगरस्त में तीन देशों के बीच रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में सामूहिक सुरक्षा की व्यवस्था बनाई गई है। इसके तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होता है, तो उसे तीनों पर हमला माना जाएगा। बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान के हवाले से डॉन ने बताया कि समिति ने सामूहिक रक्षा से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को तुरंत लागू करने का फैसला किया। समिति ने जरूरी सैन्य बल और क्षमताएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर भी सहमति जताई। इन सैन्य बलों की सऊदी अरब में तेजी से तैनाती सुनिश्चित करने की बात कही गई।

ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी: अमेरिका में महिला गिरफ्तार; चीन के लिए कैसे करती थी काम?

बैकॉक, एजेंसी। एफबीआई ने कैलिफोर्निया की एक रियल एस्टेट एजेंट को गिरफ्तार किया है। उसे लॉस एंजिलिस हवाई अड्डे पर उस समय पकड़ा गया, जब वह देश छोड़ने जा रही थी। उस पर चीन के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के परिवार की जासूसी करने का आरोप है। संघीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एफबीआई के अनुसार, वानयिंग झांग हीदर नाम से भी जानी जाती है। उसने पिछले साल चीनी सरकार के लिए ताइवान के राष्ट्रपति के बेटे और उसके परिवार पर नजर रखी थी। 34 वर्षीय झांग इरविन में रहती है। उसे रविवार को लॉस एंजिलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। उस पर चीन के लिए बिना पंजीकरण एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप है। यह जानकारी अमेरिका के सहायक संघीय अभियोजक बिल एस्सायली ने दी। शिकाइल के अनुसार, झांग ने जिन लोगों पर नजर रखी, उनकी तस्वीरें और वीडियो बनाए। उसने उनकी गाड़ियों के नंबर की जानकारी भी चीनी अधिकारियों को भेजी। एस्सायली ने फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'द बिग वीकेंड शो' में बताया कि झांग अमेरिका की नागरिक है। उसने अमेरिकी नागरिकता हासिल की है। उसे चीन जाने वाली उड़ान पर रवाना होते समय गिरफ्तार किया गया। यह तुरंत साफ नहीं हो सका कि उसकी ओर से बोलने के लिए कोई वकील मौजूद है या नहीं। उसे सोमवार दोपहर लॉस एंजिलिस की संघीय अदालत में पेश किया जाना है। यह मामला न्याय विभाग की ओर से की जा रही ऐसी कार्रवाइयों की नई कड़ी है। इन मामलों का मकसद अमेरिका की जमीन पर चीन के हितों को आगे बढ़ाने वाले कथित गुप्त एजेंटों का पता लगाना है। न्याय विभाग के अनुसार, इनमें से कई मामले उन लोगों से जुड़े हैं, जो अमेरिका में रह रहे लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता हैं। विभाग का कहना है कि चीन उन्हें तलाशने और परेशान करने के लिए अक्रामक तरीके अपना रहा है। उनकी आवाज को दबाने की भी कोशिश की जा रही है।

सऊदी अरब पर हूतियों ने दागी मिसाइलें, रियाद एयरपोर्ट और अरामको रिफाइनरी को बनाया निशाना

यमन, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कई अहम ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। निशाने पर राजधानी रियाद का किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट और राबिघ में अरामको की रिफाइनरी भी रही। हमलों के बाद सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने हूती हमलों की कड़ी निंदा की है। हूतियों का कहना है कि ये हमले यमन पर सऊदी अरब की सैन्य कार्रवाई के जवाब में किए गए।

हूतियों का दावा- तीन बड़े सैन्य ऑपरेशन किए : हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने सोमवार को टेलीग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन

चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचानेकी कोशिशमें ‘दुश्मन देश’, यहकितना घातक; भारत किसतरफ, तैयारी क्या?

वाशिंगटन, एजेंसी। 'परमाणु शक्ति'। यह एक ऐसा शब्द है, जिसका जिक्र होते ही दुनिया में असीमित ताकत रखने वाले देशों की चर्चा होना लाजमी है। हालांकि, अब यह असीमित ताकत सिर्फ पृथ्वी तक ही सीमित नहीं रहने वाली है। भविष्य के लिए जो योजनाएं तैयार की जा रही हैं, उसके तहत अब परमाणु शक्ति पैदा करने वाले न्यूक्लियर रिएक्टरों को अंतरिक्ष से आगे चांद तक ले जाने की कवायद शुरू हो गई। जिन दो दुश्मन धड़ों के बीच यह मुकाबला होना तय है, उनमें एक तरफ है अमेरिका और दूसरी तरफ है उसका पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी रूस। इतना ही नहीं मुकाबले में रूस के साथ है उसका पारंपरिक सहयोगी और पड़ोसी चीन। यानी पृथ्वी पर दो पक्षों के बीच जारी परमाणु शक्ति का मुकाबला अब चांद तक पहुंचने वाला है। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचाने का मतलब क्या है? अमेरिका और रूस-चीन इस रेस में क्यों जुट गए हैं? इस रेस में दोनों धड़ों की तैयारी कैसी है और कितनी प्रगति हो चुकी है? चांद पर परमाणु शक्ति पहुंचने का खतरा कितना ज्यादा है? और भारत इस रेस में किस तरफ है? आइये जानते हैं...

पहले जानें- चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने का मतलब क्या है?

चांद पर परमाणु संयंत्र पहुंचाने और लगाने की जो रेस शुरू हुई है, उसका सीधा मतलब यह है कि अब



यह देश चांद पर अपने स्थायी ठिकाने (लूनर बेस) बनाने की तैयारियों में जुट गए हैं, जिन्हें चलाने के लिए जरूरी ऊर्जा लगातार सिर्फ परमाणु संयंत्र से ही आ सकती है। इन स्थायी ठिकानों से ही चांद पर आगे यह देश स्थायी बस्तियों को बसाने की कोशिशें शुरू कर सकेंगे।

चांद पर फिलहाल लगातार ऊर्जा हासिल करने का कोई स्रोत नहीं मिल सका है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि चांद का माहौल पृथ्वी की तरह नहीं है। यहां मशीनों को ऊर्जा देने के लिए सूरज की रोशनी से पैदा होने वाली सौर ऊर्जा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में अलग-अलग देश अपने चांद के मिशन में लैंड और रोवर में सौर ऊर्जा से चलने वाले सोलर सेल वाले पैनल लगाकर भेजते हैं। यही सोलर सेल सूरज की रोशनी में कार्य करते हैं और साथ ही इतनी ऊर्जा इकट्ठा कर लेते है कि सूर्य की रोशनी की गैरमौजूदगी में भी मशीनें चांद पर

काम कर सकें। हालांकि, इन सोलर सेल्स की क्षमता छोटी मशीनों को चलाने लायक ही होती है। ऐसे में बड़ी मशीनों और आने वाले समय में इसानों के बेस को ऊर्जा देने के लिए परमाणु संयंत्र लगाने की जरूरत महसूस की जा रही है। परमाणु ऊर्जा से चलने वाले यह संयंत्र चांद पर निर्बाध बिजली मुहैया करा सकते हैं। मौजूदा समय में अमेरिका और रूस-चीन दोनों पक्षों का मुख्य लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर मौजूद जम चुकी बर्फ पर रिसर्च कर पानी जैसे कीमती संसाधनों पर नियंत्रण हासिल करना है। इसके अलावा, चंद्रमा को सौर मंडल में गहराई तक, जैसे- मंगल ग्रह जाने वाले भविष्य के अभियानों के लिए एक लॉन्चपैड की तरह इस्तेमाल करने की योजना भी तैयार की जा रही है, जिसके लिए चांद पर इसानों का एक ठिकाना बनाना भी जरूरी होगा। ऐसे में अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी- नासा और रूस की

बाब अल-मदेब पर हूती विद्रोहियों को बड़ा झटका: सऊदी गठबंधन ने छीने कई अहम इलाके; क्या अमेरिका भी साथ आया?

रियाद, एजेंसी। यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन की सेनाओं ने बाब अल-मदेब जलडमरूमध्य के आसपास कई अहम इलाकों पर फिर कब्जा कर लिया है। यमनी अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार के साथ गठबंधन वाली सेनाओं ने जलडमरूमध्य के ठीक उत्तर में स्थित शहर धुबाब को फिर से अपने नियंत्रण में ले लिया है। उन्होंने बाब और हदीद शहरों पर भी कब्जा कर लिया है। इन अधिकारियों ने नाम नहीं बताने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उन्हें पत्रकारों से बात करने की आधिकारिक अनुमति नहीं थी। चरमदींदों ने बताया कि उन्होंने टैंकों और सैनिकों को इन शहरों में प्रवेश करते देखा। सऊदी नेतृत्व वाला गठबंधन हवाई हमलों से सरकारी बलों को समर्थन दे रहा है। इस सैन्य अभियान

में 100 लड़ाकू विमान शामिल हैं। यह सैन्य अभियान ऐसे समय शुरू हुआ, जब हूतियों ने कहा था कि उन्होंने यमन के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में और ज्यादा इलाकों पर कब्जा कर लिया है। हूती विद्रोहियों ने इस क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण शहर पर भी कब्जा करने का दावा किया था। यह सऊदी समर्थित बलों के लिए बड़ा झटका था। हूती इस इलाके की एक रणनीतिक प्रांतीय राजधानी की ओर आगे बढ़ रहे थे। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने कहा कि 100 लड़ाकू विमान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की हूतियों के खिलाफ लड़ रही सेनाओं को हवाई मदद दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि गठबंधन ने रणनीतिक बाब अल-मदेब जलडमरूमध्य को हवाई सुरक्षा दी है। उन्होंने यह भी कहा कि जारी सैन्य अभियान के तहत हूतियों के सैकड़ों ठिकानों को नष्ट किया गया है।

ट्रंप ने फिर किसे दी धमकी?: ब्रिटेन से अमेरिकी बमवर्षक हटाने पर बोले- हम जानते हैं कौन जिम्मेदार, और क्या कहा?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने अज्ञात धमकियों के बाद यूके स्थित अपने सैन्य बेस से बाँक्सर हथियानों को हटा लिया है। इस घटनाक्रम के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा दावा किया है। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका को पता है कि इन धमकियों के पीछे कौन है। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि जिम्मेदार लोग बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। अमेरिका की वायुसेना ने इंग्लैंड में स्थित अपने एक सैन्य एयरबेस से सभी बमवर्षक विमान वापस बुला लिए हैं। यह एयरबेस अमेरिकी नियंत्रण में है। यहां से ईरान पर हमले किए गए थे। यह कदम आरएफएफ फेयरफोर्ड एयरबेस पर कथित आतंकी हमले की साजिश की जांच के बाद उठाया



गया है। आरएफएफ फेयरफोर्ड लंदन से करीब 100 मील यानी 160 किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। मध्य पूर्व में दशकों से चले आ रहे संघर्षों के दौरान अमेरिका इस एयरबेस का इस्तेमाल अपने बमवर्षक विमानों के लिए करता रहा है। पेंटागन ने की वापसी की पुष्टि पेंटागन ने पुष्टि की है कि

आरएफएफ फेयरफोर्ड पर तैनात सभी अमेरिकी बाँक्सर मूल ठिकानों पर लौट रहे हैं, हालांकि उन्होंने नई चेतावनियों पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह नई जानकारी उसी खतरे का हिस्सा थी जो तीन हफ्ते पहले सामने आई थी, लेकिन पिछले 24 घंटों में कुछ विशिष्ट विवरण मिले और तत्पश्चात की स्थिति अचानक बढ़ गई, जिसके बाद सैन्य कमांडरों ने तत्काल निकासी का फैसला लिया।

मिलिट्री एयर ट्रेकिंग अलायंस जैसे विमानन गतिविधियों पर नजर रखने वाले समूहों ने ईरान युद्ध शुरू होने के शुरुआती दिनों से आरएफएफ फेयरफोर्ड से दर्जनों बी-52 और बी-1



अल-हम्ममी को यूएई को सौंप दिया गया है।

ट्रंप ने क्या कहा : सोमवार दोपहर जब ट्रंप 'एयर फोर्स वन' में सवार हो रहे थे, तो एक रिपोर्टर ने उनसे फ्लाईदुबई की घटना में ईरान की भूमिका के बारे में पूछा। ट्रंप ने कहा, मुझे ऐसा लगता है। मुझे व्यक्तिगत रूप से ऐसा लगता है।

उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या टिप्पणी की हालांकि, जब सोमवार को अलास्का के लिए रवाना होते समय पत्रकारों ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और सेकंड लेडी उषा वेंस से

17 साल बाद होगा फोर्ट हूड कांड का अंत: निडाल हसन की मौत की सजा पर ट्रंप की मुहर, क्या अब भी रुक सकता है फैसला?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2009 में टेक्सास के फोर्ट हूड सैन्य अड्डे पर गोलीबारी कर 13 लोगों की जान लेने वाले सेना के मेजर निडाल मलिक हसन को फायरिंग स्कॉर्ड के जरिए मौत की सजा देने को मंजूरी दे दी है। अमेरिकी सेना में 1961 के बाद से अब तक किसी को फांसी या अन्य तरीके से मृत्युदंड नहीं दिया गया है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पानेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि अब सेना के सचिव फांसी की तारीख और जगह तय करेंगे।

'हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया' : पेंटागन के प्रवक्ता सीन पानेल ने एक्स पर लिखा, 'हसन के लिए आखिरकार फैसला का दिन आ गया है।' हसन उस समय अमेरिकी सेना में मनोचिकित्सक था। 2009 में वह फोर्ट हूड के एक मेडिकल सेंटर में पहुंचा, जहां सैनिक मेडिकल जांच के लिए मौजूद थे। उसने अचानक गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हसन ने लेजर से निशाना साधने वाली पिस्तौल से सैनिकों पर गोलियां बरसाईं। इस हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। गोलीबारी शुरू करने से पहले उसने 'अल्लाहु अकबर' कहा था, जिसका अर्थ है 'ईश्वर महान है।'

'अपने ही लोगों को मारने से रोकना चाहता था' : हसन ने बाद में कहा था कि उसने यह हमला

इसलिए किया क्योंकि वह अमेरिकी सैनिकों को अफगानिस्तान जाने और वहां अपने मुस्लिम साथियों को मारने से रोकना चाहता था। मुकदमे के दौरान उसने खुद को बचाने की लगभग कोई कोशिश नहीं की। उसने जुरी के सामने माना था कि गोली चलाने वाला वही था और खुद को ऐसा सैनिक बताया था जिसने 'पाला बदल लिया।'

फांसी अभी तुरंत नहीं होगी, कानूनी रास्ता खुला : ट्रंप की मंजूरी का मतलब यह नहीं है कि हसन को तुरंत मौत की सजा दे दी जाएगी। फैसले के बाद कई कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी होनी बाकी हैं। हसन इस प्रक्रिया को लंबे समय तक रोकने की कोशिश कर सकता है। इसके लिए वह अमेरिकी संघीय अदालत में हैबियस कॉर्पस याचिका दायर कर सकता है। मई में प्रकाशित आर्मी लॉथर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसी कानूनी लड़ाई कई साल तक चल सकती है। अमेरिकी सैन्य न्याय व्यवस्था में मौत की सजा मिलना ही बेहद दुर्लभ है और उसे अमल में लाना उससे भी ज्यादा असामान्य रहा है। फिलहाल सेना की डेथ रो में चार लोग हैं, जिनमें हसन भी शामिल है। इन सभी को कंसास के फोर्ट लीवेनवर्थ में रखा गया है। इससे पट्टे राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश ने 2008 में सेना के जवान रोनाल्ड ग्रे की फांसी को मंजूरी दी थी। हालांकि, एक जज के आदेश के बाद उस सजा पर रोक लग गई।

फ्लाईदुबई हमले के पीछे किसका हाथ?: डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर जताया शक, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने क्या कहा?

इस बारे में पूछ, तो ओहायो के रिपब्लिकन नेता ने बहुत सावधानी बरती। सीधे टिप्पणी करने के बजाय, उन्होंने कहा कि वह इस मामले को सीआईए डायरेक्टर पर छोड़ देंगे, क्योंकि वे इस पर टिप्पणी करने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। जेडी वेंस ने कहा, 'यह मामला मैं जॉन रेट्क्लिफ और कुछ डेलिजेंस अधिकारियों पर छोड़ता हूं। मैं किसी भी घोषणा से पहले कुछ नहीं कहना चाहता, लेकिन निश्चित रूप से हम इस पर गौर कर रहे हैं। हालांकि, मैं यह नहीं कहूंगा कि मैंने अभी तक कोई ठोस सबूत देखा है।' इसाइल, यूएई और सऊदी अरब के अधिकारियों ने फ्लाईदुबई की घटना को आतंकी हमला बताया है। लेकिन अभी भी यह सवाल बना हुआ है कि क्या हमला करने वाले को-पायलट ने अकेले यह कदम उठाया या वह किसी बड़ी आतंकी साजिश का हिस्सा था। एबीसी न्यूज ने जांच

की जानकारी रखने वाले अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया है कि जांचकर्ताओं का मानना ​​है कि अमान के को-पायलट ने किसी बड़े संगठन का हिस्सा होने के बजाय अकेले ही यह काम किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जांच अभी शुरुआती दौर में है। वहीं, यूएई के अटॉनी जनरल और प्रॉसिक्यूटर जनरल हमद सैफ अल शम्सी ने 3 अक्टूबर को कहा था कि शुरुआती जांत से पता चला है कि हमम अल-हम्ममी ने आतंकवादी हमला करने की योजना बनाई थी। उन्होंने कहा, 'फ्लाईदुबई की फ्लाइट र्क1073 से जुड़ी घटना की जांच में पता चला है कि को-पायलट ने आतंकवादी हमला करने की कोशिश की थी।' उन्होंने यह भी कहा कि घटना के पूरे हालात, मकसद और किसी भी तहत के कनेक्शन का पता लगाने के लिए काम कर रहे हैं।

ब्रिटिश उपन्यासकार जेफ्री आर्चर का निधन: कलम से पाई शोहरत, सियासत से विवाद और जेल तक; ऐसा रहा जीवन का सफर



लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मशहूर लेखक और पूर्व राजनेता जेफ्री आर्चर का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अपनी किताबों से दुनिया भर में पहचान बनाने वाले आर्चर का राजनीतिक जीवन झुटी गवाही के मामले में जेल जाने के बाद विवादों में घिर गया था। प्रकाशक हार्पर कॉलिनस ने बताया कि आर्चर का सोमवार को उनके घर पर निधन हुआ। खास बात यह है कि उनकी आखिरी किताब 'एडम और ईव' के वैश्विक रिलीज से ठीक एक दिन पहले उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

पांच दशक तक किताबों की दुनिया में छाप रहे : जेफ्री आर्चर का लेखकीय सफर करीब पांच दशक लंबा रहा। उनकी पहली किताब 'नॉट ए पेनी मोर, नॉट ए पेनी लेस' 1976 में प्रकाशित हुई थी। यह उपन्यास उनके उस दौर से प्रेरित बताया जाता है, जब खराब निवेश के चलते वह लगभग दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गए थे। इसके बाद 'केन एंड एबेल' समेत उनकी कई किताबें बेहद लोकप्रिय हुईं। हार्पर कॉलिनस के अनुसार, आर्चर की किताबों की दुनिया भर में बेचने 30 करोड़ प्रतियां बिकीं। वह ब्रिटेन की 'संडे टाइम्स' बेस्टसेलर सूची में 14 साल पांच महीने और 'न्यूयॉर्क टाइम्स' की सूची में पांच साल से ज्यादा समय तक बने रहे। आर्चर ने लेखन के साथ ब्रिटेन की राजनीति में भी मजबूत जगह बनाई। वह प्रधानमंत्री मार्गरेट थैचर के दौर में कंजर्वेटिव पार्टी में तेजी से आगे बढ़े। 1992 में थैचर के उत्तराधिकारी प्रधानमंत्री जॉन मेजर ने

उन्हें 5 लाख पाउंड का हजाना मिला था। बाद में जुरी ने पाया कि उन्होंने 1987 के मामले में अपने पक्ष में झुठी कहानी और फर्जी अलिबी तैयार की थी। 2001 में उन्हें झुठी गवाही के लिए चार साल की सजा हुई। वह दो साल से कुछ अधिक समय जेल में रहे और 2003 में रिहा हुए। जेल से लौटने के बाद भी आर्चर ने लेखन जारी रखा। उन्होंने जेल के अनुभवों पर तीन हिस्सों वाली 'अ गिज़न डायरी' लिखी, जिसमें 'हेल', 'पगोटरी' और 'हेवन' शामिल थे। इन किताबों में ब्रिटेन की जेलों और कैदियों की जटिली की झलक देखने को मिली। आर्चर ने राजघराने में बेटियों को बेटों के बराबर उत्तराधिकार का अधिकार देने की मांग भी उठाई थी।

मंधाना के लिए नई नहीं है कप्तानी: पहले भी संभाली है महिला टीम की कमान



नई दिल्ली। स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया गया है। मंधाना हरमनप्रीत कौर की जगह लेंगी और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीमित ओवर सीरीज से उनके कार्यकाल का आगाज होगा। मंधाना के लिए कप्तानी हालांकि, नई नहीं है। वह इससे पहले भी कुछ मौकों पर भारतीय महिला टीम की कमान संभाल चुकी हैं। साल 2013 से भारतीय टीम का हिस्सा रही मंधाना वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय को मिलाकर कुल 22 मैचों में टीम की कमान संभाल चुकी हैं। मंधाना का रिकॉर्ड वनडे में कप्तान के तौर पर शानदार रहा है। उन्होंने कुल चार वनडे मुकाबलों में टीम की

कप्तानी की है और सभी में जीत दिलाई है। वहीं, टी20 में भी मंधाना का रिकॉर्ड दमदार रहा है। उन्होंने कुल 18 मैचों में टीम की अगुआई की है, जिसमें से 11 मुकाबलों में टीम को जीत मिली है, जबकि सिर्फ छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

डब्ल्यूपीएल में दो बार जीत चुकी हैं खिताब

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी स्मृति मंधाना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) को दो बार अपनी कप्तानी में चैंपियन बना चुकी हैं। उन्होंने 35 मैचों में आरसीबी की कमान संभाली है, जिसमें से टीम को 18 में जीत नसीब हुई है, तो 17 मुकाबलों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है। यानी मंधाना के पास कप्तानी का अच्छा खास अनुभव मौजूद है। खास बात यह है कि स्मृति लंबे समय से हरमनप्रीत कौर के कप्तान रहने पर उपकप्तान की जिम्मेदारी को संभाल रही थीं।

जिम्बाब्वे सीरीज से शुरू होगा कार्यकाल

स्मृति मंधाना बतौर कप्तान अपने कार्यकाल का आगाज जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 और वनडे सीरीज से करेंगी। इस सीरीज के लिए चुनी गई टीम में हरमनप्रीत कौर को भी जगह दी गई है। बतौर कप्तान हरमनप्रीत का अनुभव भी मंधाना के काम आएगा। हरमनप्रीत की उम्र 37 साल हो चुकी है और यही वजह है कि चयनकर्ता उनके रिटायरमेंट लेने से पहले मंधाना को कप्तान के तौर पर पूरी तरह से तैयार करना चाहते हैं।

सीनियर चयन समिति की बैठक में शामिल रहेंगे लक्ष्मण

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीआई की ओर से समयसमय की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई।



अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी बार मैदान पर उतरे मेसी, फैंस को दिया धन्यवाद, बोले- काश... मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी आखिरी बार राष्ट्रीय टीम के लिए मैदान पर खेलने उतरे। मेसी के विदाई मैच में अर्जेंटीना का सामना बेनिन से हुआ जिसमें अर्जेंटीना ने 3-0 की जीत दर्ज की। मैच के बाद मेसी ने फैंस को संबोधित किया और विदाई भाषण दिया। मेसी ने इस दौरान अपने सफर को लेकर बात की और फैंस को लगातार उनका समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया।

मेसी के लिए यादगार रहा मुकाबला

लियोनल मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी मुकाबला यादगार अंदाज में खत्म किया। ब्यूनस आयर्स के मॉन्टेमैटल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना ने बेनिन को 3-0 से हराया। मेसी ने टीम के तीनों गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दो गोल में असिस्ट किया, जबकि एक गोल

मेसी ने प्रशंसकों को कहा शुक्रिया

मेसी ने इसके बाद अर्जेंटीना के प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपने पूरे करियर में जहां भी कदम रखा, स्टेडियम हमेशा खराब भरे मिले। उन्होंने कहा, 'मैं इस सभी पलों के लिए आपका शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं जहां भी गया, स्टेडियम

भरा हुआ था। विश्व कप हो या कोपा अमेरिका, आप हर जगह मौजूद थे। हम जहां भी गए, ऐसा लगा जैसे अपने घर में खेल रहे हों।' मेसी ने कहा कि यहां खेलना उनके जीवन के सबसे खुशहाल पलों में से एक रहा और विश्व कप जीतने के बाद पहली बार खेलने की रात को वह कभी नहीं भूलेंगे।

पेनल्टी पर खुद दागा। विदाई समारोह में लियोनल मेसी ने हाथ में माइक थामा तो पूरा स्टेडियम उनकी बात सुनने के लिए शांत हो गया। मेसी ने अर्जेंटीना की जर्सी में बिताए अपने सफर के मुश्किल दौर से लेकर जीती गई ट्रॉफियों तक को याद किया। मेसी ने कहा, 'काश, मैं पूरी जिंदगी अर्जेंटीना के लिए खेल पाता।' यह सुनते ही पूरा स्टेडियम तालियों और नारों से गूंज उठा। इसके बाद मेसी ने अपने साथियों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा इस जर्सी के लिए अपना सब कुछ दिया। मेसी ने कहा कि उनके साथियों ने उनका सपना पूरा करने में मदद की और विश्व कप, कोपा अमेरिका समेत कई बड़ी ट्रॉफियां जिताने में उनका साथ दिया। उन्होंने कहा, 'हमने गर्व के साथ खेला और हर टीम के खिलाफ मुकाबला किया। मुझे पता था कि मैं दिग्गजों से घिरा हुआ हूँ।'

अगरकर की विदाई बनी भुवी की वापसी का कारण

IPL में प्रदर्शन और चयन समीकरण की कहानी, शमी के लिए भी खुले दरवाजे!



मुंबई। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर भुवनेश्वर कुमार के नाम की चर्चा है। करीब चार साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के बाद 36 वर्षीय अनुभवी तेज गेंदबाज की भारतीय टी20 टीम में वापसी हो गई है। उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ इस महीने होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है। भुवनेश्वर की वापसी ऐसे समय हुई है, जब अजीत अगरकर चयन समिति के अध्यक्ष पद से हट चुके हैं और प्रज्ञान ओझा अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। माना जा रहा है कि अगरकर की मौजूदगी में भविष्य की ओर देखने की रणनीति के कारण भुवनेश्वर के लिए वापसी का रास्ता आसान नहीं था।

भुवनेश्वर ने 2025 और 2026 के आईपीएल सत्र में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर के लिए शानदार प्रदर्शन किया। इन दो सत्रों में उन्होंने कुल 45 विकेट लिए और टीम को लगातार दो आईपीएल खिताबी जीत में

अहम भूमिका निभाई। 2025 में उन्होंने 17 विकेट हासिल किए, जबकि 2026 के सत्र में उनके खाते में 28 विकेट रहे। नई गेंद से स्विंग और सीम कराने की उनकी क्षमता ने एक बार फिर उन्हें चर्चा में ला दिया। पावरप्ले में उनकी गेंदबाजी ने कई शीर्ष बल्लेबाजों को परेशान किया। भुवनेश्वर को 2022 में भारतीय टीम से बाहर किए जाने के पीछे उनकी गति में कमी और गेंद को स्विंग कराने की क्षमता का कम होना बड़ी वजह माना गया था। उस दौर में टी20 क्रिकेट में युवा और तेज गेंदबाजों का दबदबा बढ़ रहा था। लेकिन भुवनेश्वर ने हार नहीं मानी। उन्होंने बिना किसी सार्वजनिक बयान या विवाद के अपनी गेंदबाजी पर काम जारी रखा। उत्तर प्रदेश के लिए सफेद गेंद के क्रिकेट में खेलते रहे और युवा गेंदबाजों के लिए भी मार्गदर्शक की भूमिका निभाई। इसके बाद आईपीएल में उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि उनकी सबसे बड़ी ताकत आज भी गेंद को हवा में स्विंग कराने और सीम मूवमेंट हासिल करने की कला है।

इतिहास आपको याद रखेगा

अजीत अगरकर का सीनियर पुरुष चयन समिति के प्रमुख के तौर पर कार्यकाल समाप्त हो गया है। अगरकर अब आगे इस पद पर नहीं रहेंगे। अगरकर का कार्यकाल यादगार रहने के साथ ही विवादा में भी घिर रहा। अब भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अगरकर को सराहा है। गंभीर का कहना है कि इतिहास अगरकर के प्रति ज्यादा उदार रहेगा। अजीत अगरकर का मुख्य चयनकर्ता के रूप में कार्यकाल चार अवर्तुबर को खत्म हो गया। इसके बाद गुवाहाटी में हुई टीम चयन बैठक में अगरकर मौजूद नहीं थे। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिलहाल चयन समिति के सदस्य और पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को कार्यवाही की जिम्मेदारी संभालने को कहा है। ओझा अब अंतरिम चीफ सेलेक्टर के तौर पर काम कर रहे हैं।



पूर्व भारतीय कप्तान बोले- संजू सैमसन और भी ज्यादा मौके मिलने के हकदार

खिलाड़ियों में असुरक्षा पैदा हो रही: गावस्कर

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय टी20 टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले में अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक लगाया। अय्यर ने मात्र 42 गेंदों पर शतक लगाया। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने श्रेयस अय्यर की जमकर तारीफ की है। गावस्कर ने जियोस्टार पर कहा, 'श्रेयस अय्यर की यह शानदार पारी थी। वह अजेय लग रहे थे, और वेस्टइंडीज के गेंदबाज चाहे किसी भी लाइन और लेथ पर गेंद फेंके, अय्यर के पास हर चीज का जवाब था। उन्होंने जो शॉट खेले, वे देखने लायक थे, खासकर रोमरियो शेफर्ड की गेंद पर अपर-कट, जिससे पता चला कि वह गंभीर थे। इस भारतीय टी20 टीम के कप्तान बनने के बाद से श्रेयस अय्यर का बल्ले से प्रदर्शन थोड़ा खराब रहा है। हाल के दिनों में, जीत मिली है, लेकिन बल्ले से उनका अपना फॉर्म चिंता का विषय था।

उन्होंने कहा, 'उनके लिए एक बड़ी पारी खेलना जरूरी था, और उन्होंने पहले टी20 में अच्छा किया। अय्यर ने रन चेज पर पूरा नियंत्रण रखा और बीच के ओवरों में तेजी से रन बनाते रहे। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपने पचास रन पूरे किए और फिर पूरी तरह से गियर बदल दिया, सिर्फ 15 गेंदों के अंदर अगले 50 रन बनाकर 102 तक पहुंच गए। सोशल मीडिया पर श्रेयस की बैटिंग फॉर्म को लेकर सवाल उठ रहे थे। इस शतक ने उन सभी को चुप करा दिया है। यह पारी इस बात का पक्का संकेत है कि श्रेयस अय्यर अपने बेस्ट फॉर्म में वापस आ गए हैं।'



एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए

हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ लगाए थे दो अर्धशतक

पूर्व भारतीय कप्तान ने विकेटकीपर और सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर भी अपनी राय रखते हुए कहा, 'एक असफलता संजू के पुराने रिकॉर्ड से बड़ी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने हाल ही में इसी रोल में अफगानिस्तान के खिलाफ दो अर्धशतक लगाए थे। फिर एशियन गेम्स में उनका बुरा प्रदर्शन रहा, लेकिन वह वहां तीसरे नंबर पर बैटिंग कर रहे थे, इसलिए मैं सच में उन्हें दोष नहीं दूंगा। अब, वह वापस ओपनिंग करने आए हैं, और पहले टी20 में 11 रन बनाकर आउट हो गए। यह काफी नहीं है कि मैं संजू की जगह वैभव सूर्यवंशी को टीम में शामिल करूं। गावस्कर ने कहा, 'आपको एक खिलाड़ी को पूरा मौका देना चाहिए, खासकर उसे जो अभी-अभी उस रोल में वापस आया हो जिसमें वह सहज हो। एक कम स्कोर से कुछ नहीं बदलता। संजू ने दिखाया है कि वह टॉप ऑर्डर में क्या कर सकते हैं और वह लंबे समय तक खेलने के हकदार हैं। वैभव एक स्पेशल टैलेंट हैं, और उनका समय आएगा, लेकिन अभी के लिए, संजू वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में ओपनिंग करने के लिए सही आदमी हैं। आप हर गेम के बाद लगातार बदलाव नहीं कर सकते। इससे ड्रेसिंग रूम में असुरक्षा पैदा होती है।



श्रेयस अय्यर ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

लखनऊ। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार को भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 102 रन की नाबाद पारी खेली। 43 गेंदों में अय्यर ने छह छक्कों और 10 चौके लगाए। इस पारी के साथ ही अय्यर ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी है। श्रेयस की इस दमदार पारी की मदद से भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

सर्वोच्च रन बनाने वाले चौथे भारतीय

श्रेयस अय्यर बतौर कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीयों की सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष तीनों पारियां रोहित शर्मा के नाम हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ नाबाद 121 रन, श्रीलंका के विरुद्ध 118 रन और वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 111 रन की पारियां खेली हैं। श्रेयस अकेले ऐसे भारतीय कप्तान हैं, जिन्होंने रन चेज करते हुए शतक लगाया।

ईशान के साथ रिकॉर्ड साझेदारी

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए किसी भारतीय कप्तान का पिछला सबसे बड़ा स्कोर 94* रन था, जो विराट कोहली ने 2019 में हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया था। अय्यर वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 क्रिकेट में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बन गए हैं। उनसे पहले रोहित शर्मा (111*) यह केएल राहुल (110*) यह कारनामा कर चुके थे। इस पारी के दौरान अय्यर ने ईशान किशन के साथ 137 रन की अटूट साझेदारी की, जो टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रन चेज के दौरान भारत के लिए तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मामले में यशस्वी जायसवाल-शुभमन गिल की जोड़ी शीर्ष पर है, जिसने वेस्टइंडीज के विरुद्ध साल 2023 में 165 रन जुटाए थे। वहीं, जायसवाल ने शुभमन गिल के साथ साल 2024 में जिम्बाब्वे के विरुद्ध 156* रन जोड़े थे। 137* रन की साझेदारी टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए तीसरी विकेट की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी साझेदारी है। इतने रन की साझेदारी ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव ने 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ की थी।



गिल शीर्ष पर बरकरार श्रेयस सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

दुबई। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को खेल के सबसे छोटे प्रारूप की ताजा आईसीसी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि वनडे कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर की बल्लेबाजी सूची में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर की 43 गेंदों पर 10 चौकों और छह छक्कों से सजी नाबाद 102 रन की पारी ने टी20 विश्व चैंपियन को मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के पहले मैच में आठ विकेट की शानदार जीत दिलाई।

श्रेयस को 18 पायदान का फायदा

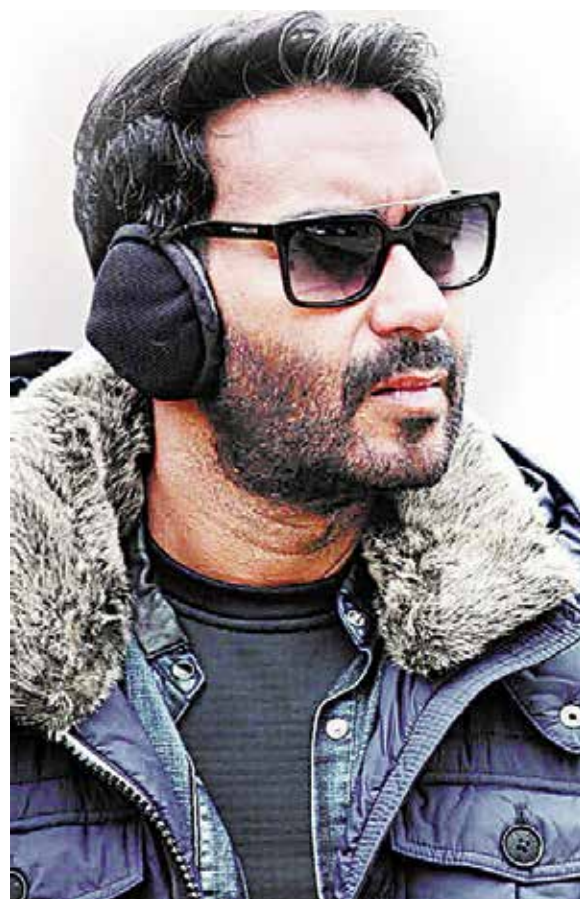
इस विस्फोटक पारी से अय्यर को 18 पायदान का फायदा हुआ जिससे वह इस प्रारूप में भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग बल्लेबाज बन गए हैं। आईसीसी के अनुसार ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थानों पर बने हुए हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं जिससे भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हो गए हैं। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आठ स्थान के फायदे से 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

कोहली तीसरे स्थान पर खिसके

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफान रदरफोर्ड की तेजतर्रार 56 रन की पारी ने उन्हें 10 पायदान के फायदे से 37वें स्थान पर पहुंचा दिया, जबकि पाकिस्तान के हसन नवाज (62 पायदान के फायदे से 48वें स्थान पर) एशियाई खेलों के बाद सूची में ऊपर बढ़े हैं। एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में अबरार अहमद (29 रन देकर कोई विकेट नहीं और 29 रन देकर एक विकेट) के आंकड़े उन्हें गेंदबाजों में शीर्ष स्थान बरकरार रखने के लिए काफी नहीं थे। पूर्व कप्तान विराट कोहली दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में शानदार शतक के बाद केएल राहुल को सात पायदान का फायदा हुआ जिससे वह 10वें स्थान से शुद्ध 10 में वापस आ गए हैं।

राशिद की शीर्ष स्थान पर वापसी

लेग स्पिनर राशिद खान आठवीं बार शीर्ष पर लौटे हैं। भारत के बाएं हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल 16 पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, गिल ने गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मैच में नाबाद 223 रन बनाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वह वनडे प्रारूप में उनका दूसरा दोहरा शतक था जिसने उन्हें 25 रेटिंग अंक दिलाए और इस प्रदर्शन से उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 841 रेटिंग अंकों की बराबरी की।



सीक्वल नहीं, किरदार चलते हैं

अजय देवगन इस वक़्त अपनी अपकमिंग फिल्म 'दृश्यम 3' को लेकर चर्चा में हैं। अजय देवगन ने कहा- चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है, लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। उन्होंने कहा है- मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है, हड़िया अब दर्द होती है।

हिंदी की टारगेट ऑडियंस पता नहीं
उन्होंने कहा, 'मैं किसी दूसरे सिनेमा का क्रेडिट कम नहीं कर रहा। आप पारंपरिक सिनेमा कहें या इंटरनेशनल, हर जगह फिल्म बनाना मुश्किल काम है, पर मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म बनाना सबसे मुश्किल है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि आपको पता ही नहीं होता कि आपकी टारगेट ऑडियंस कौन है। जब आप पजाबी, तेलुगु या

तमिल फिल्म बनाते हैं, तो आपको अपना दर्शक वर्ग पता होता है, क्योंकि वह एक खास जगह के लिए बनाई जा रही है। आपको वहां के दर्शकों की नज़ पता होती है तो आप उसी हिसाब से फिल्म बनाते हैं। जबकि, हिंदी में हर 80-90 किमी के बाद भाषा बदल जाती है, लोग की सोच बदल जाती है। यहां मास और वलास का फर्क है। शहरी दर्शक, छोटे शहरों के दर्शक, सबअर्बस के दर्शक, तो होता क्या है कि एक वर्ग के दर्शकों को फिल्म पसंद आती है, तो दूसरे को नहीं आती, जिससे बिजनेस उतना बड़ा नहीं हो पाता। यहां हमें हर किसी को टारगेट करना पड़ता है, इसलिए मुझे लगता है कि हिंदी फिल्म लिखना और बनाना सबसे मुश्किल काम है।'

यहां दृश्यम के सीक्वल की सफलता पर बात करते हुए अजय देवगन ने कहा, 'मेरा मानना है कि सीक्वल नहीं किरदार चलते हैं। आप किसी भी सीक्वल को उठाकर देख लो, वो चाहे गोलमाल हो या दृश्यम हो, वहां विजय सलगांवकर या गोपाल या सिंघम चला है। जब लोग इन किरदारों से जुड़ते हैं, तभी आप सीक्वल बना सकते हैं। आप किसी फिल्म को सीक्वल सिर्फ इसलिए सीक्वल नहीं बना सकते क्योंकि वह बहुत कमाल की थी और लोगों ने उसे

पागल हो जाएंगे। तो आपको पता ही नहीं चलेगा कि आप असल जिंदगी में कौन हैं। आप अपनी असल जिंदगी में भी किरदार ही निभाने लगेंगे। तो आपको उससे डिटेच होना जरूरी है।'

उम्र का असर है, हड़ियां अब दर्द होती हैं
मुझे भले ही एक्शन फिल्मों के लिए जाना जाता रहा हो। इस फिल्म में भले ही मैंने एक्शन ना किया हो लेकिन उम्र के साथ एक ठहराव और आत्मविश्वास आया है। इसलिए किरदार वही है, लेकिन उसे निभाने का तरीका थोड़ा अलग महसूस हो सकता है। पर यहां मैं कहना चाहूंगा कि बेशक चेहरे से उम्र का पता नहीं चलता लेकिन जब आप जब सुबह सोकर उठते हैं हड़ियां दर्द होती हैं तो उम्र का पता चलता है। पहले जो मैंने इतने स्टंट किए हैं उसका असर अब नजर आता है।

ऑडियंस हमसे आगे निकल चुकी है

बदलते वक़्त के साथ खुद को री-इन्वेंट करने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम खुद को री-इन्वेंट कर रहे हैं। असल में हम दर्शकों की सोच के साथ बस कदमताल करने की कोशिश कर रहे हैं। कोविड महामारी के बाद हमें यह समझ में आया कि उस दौरान जब दर्शक घरों में बैठे थे, उन्होंने इंटरनेशनल और हर भाषा का भारतीय सिनेमा खूब देखा। फिर जब चीजें सामान्य हुईं और हमने दोबारा फिल्में रिलीज करनी शुरू कीं तो हमें अहसास हुआ कि दर्शक हमसे काफी आगे निकल चुके हैं और अब हमें उनके साथ कदम मिलाने की जरूरत है। हम वही कोशिश कर रहे हैं और दर्शक जिस तेजी से बदल रहे हैं, उनके साथ कदम मिलाना मुश्किल है। वे लगातार आगे बढ़ रहे हैं। इसलिए हमें लगातार सुधार करना होगा, सीखना होगा और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाना होगा, क्योंकि दर्शक हमसे ज्यादा समझदार हैं। हम उन्हें बेवकूफ नहीं बना सकते।'



भुवन बाम ने 'ढिंदोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव पर बात की

कॉन्टेंट क्रिएटर और एक्टर भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज 'ढिंदोरा' के दूसरे सीजन का दर्शक लंबे समय से इंतज़ार कर रहे हैं। 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुई इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था। अब, 'ढिंदोरा 2' एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने के लिए तैयार है। सीरीज की पहली झलक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने कहा कि इस सीजन को स्क्रीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। आईएनएस के साथ खास बातचीत में भुवन बाम ने 'ढिंदोरा 2' बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की।

उन्होंने कहा, 'सीरीज 'ढिंदोरा' मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बढ़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली झलक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है।' भुवन ने कहा, 'ढिंदोरा 2' में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे।' उन्होंने कहा, 'सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके।'



'हुंकार: द रोअर' की सफलता पर फातिमा सना शेख ने जताया आभार

हाल ही में रिलीज हुई 'हुंकार: द रोअर' को मिल रहे प्यार और तारीफों से फातिमा सना शेख बेहद खुश हैं। कोर्टरूम ड्रामा अपनी कहानी और मुद्दों को लेकर दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। ऐसे में फातिमा ने सोशल मीडिया पर शो के सेंट से कुछ छत्रस तस्वीरें शेयर करते हुए श्रुटिंग के दिनों को याद किया। उन्होंने एक दिल से लिखा हुआ नोट भी शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने किरदार, छत्र जसलीन सिंह सोइन के बारे में बात की। फातिमा ने लिखा, 'जसलीन का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोषजनक रहा। शो बनाते वक़्त शाहद मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि इसका लोगों पर इतना असर होगा या यह आज भी इतना प्रासंगिक लगेगा। जिस तरह हमारे देश में कई मीनू हैं, उसी तरह कई जसलीन भी हैं... ऐसे पुलिस अधिकारी जो सच में कुछ अच्छा करना चाहते हैं, लोगों की परवाह करते हैं और हर मुश्किल के बावजूद अपनी कोशिश जारी रखते हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'हुंकार' को मिल रहे इतने प्यार से मेरा दिल भर आया है। इसे देखने, इसे महसूस करने और इन जरूरी



फिर जेलर बनेंगे रितेश देशमुख और फराह खान



अप: सच या सजा' में एक बार फिर रितेश देशमुख और फराह खान जेलर की भूमिका में नजर आएंगे। दूसरे सीजन में नए कॉन्स्टेंट्स जेल के अंदर पढ़ी लेंगे। शो का फॉर्मेट पहले सीजन की तरह ही रहेगा। इसमें कॉन्स्टेंट्स को

पहले सीजन से दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद अब यह शो 'लोक अप: सच या सजा' नेटफ्लिक्स पर नए सीजन के साथ लौटेगा। दूसरे सीजन का अनाइसमेंट हो गया है, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट और बढ़ गई है। रियलिटी शो 'लोक

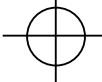
जेल के अंदर रहना होगा, अलग-अलग टास्क करने होंगे और अपनी निजी जिंदगी से जुड़े सवालों का भी सामना करना होगा। इस शो को एकता कपूर, शोभा कपूर और मनीषा शर्मा ने प्रोड्यूस किया है। पहले सीजन को दर्शकों के बीच काफी चर्चा मिली थी। नेटफ्लिक्स के मुताबिक, शो को सोशल मीडिया और लोगों के बीच चर्चा के जरिए 5 अरब से ज्यादा व्यूज मिले थे। शो के कई पल सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहे थे। 'लोक अप: सच या सजा' के दूसरे सीजन को मलाया प्रधान शो रन कर रही हैं। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक दूसरे सीजन के कॉन्स्टेंट्स के नाम और शो की प्रीमियर डेट का एलान नहीं किया है।

C
M
Y
K

+

C
M
Y
K

+

C
M
Y
KC
M
Y
K

श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी का वापी रेलवे स्टेशन पर भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया एवं महामंत्री जिनेश पटेल ने किया स्वागत



असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा की नवनिर्वाचित प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी का आज दमण आगमन हुआ था। इस मौके पर श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी का स्वागत करने के लिए संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया और महामंत्री जिनेश पटेल वापी रेलवे स्टेशन पर पहुंचे थे। वापी रेलवे स्टेशन पहुंचते ही प्रदेश भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी का प्रदेश अध्यक्ष महेश आगरिया एवं महामंत्री जिनेश पटेल ने गुलदस्ता भेंटकर भव्य स्वागत किया।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी का डीएमसी की टीम ने किया भव्य स्वागत



असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी का आज डीएमसी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। दमण स्थित भाजपा कार्यालय पर डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल के नेतृत्व में डीएमसी का आज डीएमसी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। दमण स्थित भाजपा कार्यालय पर डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल के नेतृत्व में डीएमसी का आज डीएमसी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया। दमण स्थित भाजपा कार्यालय पर डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल के नेतृत्व में डीएमसी का आज डीएमसी टीम द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

दमण-दीव कांग्रेस कमेटी ने दमण और वलसाड में सीएनजी के दामों में असमानता पर उठाया सवाल

■ कहा: दमण में सीएनजी 99 रुपये और वलसाड में 88.76 रुपये किलो है तो दमण की जनता से लगभग 10 रुपये प्रति किलो ज्यादा क्यों? ■ कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से जांच कराने और इस अंतर कम करने के लिए ठोस कदम उठाने की रखी मांग

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। दमण-दीव प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दमण में सीएनजी की कीमतों में पड़ोसी जिला वलसाड की तुलना में भारी अंतर को लेकर संघ प्रदेश प्रशासन से तत्काल जवाब और पारदर्शी जांच की मांग की है। कांग्रेस कमेटी ने कहा है कि वर्तमान में दमण में सीएनजी लगभग 99 रुपये प्रति किलो मिल रही है, जबकि महज 25-30 किलोमीटर दूर वलसाड में इसकी कीमत लगभग 88.76 रुपये प्रति किलो है। यानि दमण के आम उपभोक्ताओं को लगभग 10 रुपये प्रति किलो अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। यह केवल कीमतों का अंतर नहीं, बल्कि आम जनता की जेब पर पड़ने वाला सीधा अतिरिक्त बोझ है। आज जब पेट्रोल-डीजल और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती लागत से परिवार पहले ही परेशान हैं, तब सीएनजी जैसे अपेक्षाकृत किफायती ईंधन के लिए भी दमण के नागरिकों को पड़ोसी क्षेत्र की तुलना में अधिक कीमत चुकानी पड़े, यह गंभीर चिंता का विषय है। दमण के हजारों नागरिक, कर्मचारी, छोटे व्यापारी, ऑटो-टैक्सी चालक और व्यावसायिक वाहन चालक नियमित रूप से दमण-वापी-वलसाड के बीच आवागमन करते हैं। ऐसे लोगों के लिए 10 रुपये प्रति किलो का अंतर प्रतिदिन भले छोटा दिखाई दे, लेकिन महीने भर में यह एक महत्वपूर्ण अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन जाता है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी यह सवाल पूछती है कि जब दमण और वलसाड एक-दूसरे के इतने करीब हैं, तो सीएनजी की कीमत में इतना बड़ा अंतर आखिर क्यों है? कांग्रेस ने प्रशासन से मांग की है कि दमण में सीएनजी की कीमत निर्धारित करने वाले प्रत्येक घटक-गैस की लागत, परिवहन एवं वितरण शुल्क, ट्रांसमिशन चार्ज, टैक्स तथा अन्य शुल्क की विस्तृत और पारदर्शी जांच की जाए और जनता को बताया जाए कि लगभग 10 रुपये प्रति किलो का यह अंतर किस कारण से है। दमण की जनता अपने अधिकार का उचित मूल्य चाहती है, कोई विशेष सुविधा नहीं। प्रशासन को इस विषय को गंभीरता से लेते हुए संबंधित गैस वितरण कंपनी और सक्षम प्राधिकरण के साथ तत्काल चर्चा करनी चाहिए और यदि कीमतों के अंतर को कम किया जा सकता है, तो दमण के सीएनजी उपभोक्ताओं को राहत दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। दमण की जनता की जेब पर बोझ क्यों?

वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजा राम बिंद का दमण दौरा, रामधारी बिंद ने किया भव्य स्वागत

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। वीआईपी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजा राम बिंद के दमण आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में उत्साह देखने को मिला। दमण पहुंचने पर रामधारी बिंद द्वारा उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। इस अवसर पर रामधारी बिंद ने राजा राम बिंद का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी उनका अभिनंदन करते हुए संगठन को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर चर्चा की। राजा राम बिंद ने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक गतिविधियों को और सक्रिय बनाने तथा समाज के हित में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया। उनके दमण आगमन को लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह नजर आया।

दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल ने प्रदेश भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी और संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का किया स्वागत



असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा की नवनिर्वाचित प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी और संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का पुष्पगुच्छ भेंटकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद लालू पटेल ने दमण भाजपा कार्यालय पर प्रदेश भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी और संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का पुष्पगुच्छ भेंटकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद लालू पटेल ने दमण भाजपा कार्यालय पर प्रदेश भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी और संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का पुष्पगुच्छ भेंटकर भव्य स्वागत किया।

श्रीडी भाजपा प्रभारी वर्षा दोशी का दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल ने किया स्वागत



असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा की नवनिर्वाचित प्रभारी वर्षा दोशी आज दमण पहुंची थी। दमण के पहले दौरे पर आयीं संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा प्रदेश प्रभारी वर्षा दोशी का भाजपा पदाधिकारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर दमण स्थित भाजपा कार्यालय पर पहुंचकर दमण जिला पंचायत की उपाध्यक्षा रीना पटेल ने संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा की नवनिर्वाचित प्रभारी वर्षा दोशी को तुलसी का पौधा भेंटकर उनका अभिवादन किया।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष वसीम सैयद ने किया स्वागत

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 07 अक्टूबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का आज दमण आगमन हुआ था। इस अवसर पर दमण जिला भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष वसीम सैयद ने भाजपा के संगठन महामंत्री रत्नाकर जी का भव्य स्वागत किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत दमणगंगा रिवरफ्रंट पर चलाया गया व्यापक स्वच्छता अभियान

■ स्वच्छता अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों, उद्योगजगत के प्रतिनिधियों तथा नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दमणगंगा रिवरफ्रंट के आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने में दिया अपना योगदान



असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 07 अक्टूबर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के कुशल नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत 7 अक्टूबर 2026 को वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट के समीप, दमणगंगा रिवरफ्रंट सिलवासा में व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ-साथ नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना रहा। इस अभियान में प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों, युवाओं, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों, उद्योगजगत के प्रतिनिधियों तथा नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर दमणगंगा रिवरफ्रंट के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता में अपना योगदान दिया। अभियान के दौरान वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट एवं दमणगंगा रिवरफ्रंट के आसपास के क्षेत्र में सामूहिक रूप से स्वच्छता कार्य किया गया तथा विभिन्न स्थानों से कचरे का संग्रहण कर उसका उचित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। सभी विभागों एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा अभियान में सक्रिय सहभागिता करते हुए स्वच्छता के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और समन्वय का संदेश दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने नागरिकों से अपील की कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरा न फैलाएँ, कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा गीले एवं सूखे कचरे का स्रोत स्तर पर पृथक्करण सुनिश्चित करें। साथ ही, दमणगंगा रिवरफ्रंट जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता एवं सुंदरता बनाए रखने में प्रशासन और नगरपालिका का सहयोग करने का आह्वान किया गया। सिलवासा नगरपालिका द्वारा स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ सिलवासा के निर्माण हेतु इस प्रकार के सामूहिक स्वच्छता प्रयासों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया गया।

रिंगणवाडा ग्राम पंचायत में 8 अक्टूबर को होगा कानूनी साक्षरता शिविर

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण 7 अक्टूबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दमण द्वारा अधिवक्ता बार एसोसिएशन के सहयोग से आगामी 8 अक्टूबर 2026 को रिंगणवाडा पंचायत में कानूनी साक्षरता शिविर का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम शाम 4:30 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता विशाल पटेल द्वारा स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम का संचालन किया जाएगा। अधिवक्ता मयंक सी. पटेल द्वारा स्वास्थ्य अधिकार, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए कल्याणकारी योजनाओं, स्किल इंडिया मिशन, तकनीकी एवं डिजिटल कौशल प्रशिक्षण तथा पीएम वन धन योजना के संबंध में कानूनी जागरूकता प्रदान की जाएगी। साथ ही नालसा-डॉन योजना एवं नशामुक्त भारत अभियान से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी। अधिवक्ता मिलन पटेल ट्रांसजेंडर समुदाय से जुड़े कानूनी मुद्दों पर जानकारी देंगे, जबकि अधिवक्ता रिमतावेन गोहिल लैंगिक समानता के संबंध में कानूनी जागरूकता प्रदान करेंगी। कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ता मिलन पटेल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया जाएगा। आयोजकों ने नागरिकों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने कानूनी अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।